रविवार, 28 दिसम्बर 2025

मौसम

तापमान	13 – 26
आर्द्रता	70%
सूर्योदय: 06:15	सूर्यास्त: 17:00

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष अष्टमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

विकास की नई रोशनी में नहाई काशी, घाटों से गलियों तक बदली तस्वीर पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ दो, तीन और पांच पर

सुविचार : लक्ष्य ऊंचा रखिये, दृष्टि साफ रखिये, मंजिल अवश्य प्राप्त होगी।

एसआईआर : पहले चरण की सुनवाई शुरू, 32 लाख मतदाताओं को बुलाया जाएगा सुनवाई में

राज्य भर में 3,234 सुनवाई केंद्र बनाए गए, केंद्रों पर दिखी लंबी कतारें

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में शनिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत सुनवाई की प्रक्रिया जारी रही। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य भर में बनाए गए 3,234 केंद्रों पर लोग कतारों में खड़े नजर आए। अधिकारी ने बताया कि पहले चरण में लगभग 32 लाख 'अनमैप्ड' मतदाताओं को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। सुबह 11 बजे शुरू हुई इस प्रक्रिया के लिए कुल 4,500 सूक्ष्म पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'अनमैप्ड' मतदाता वे हैं जिनका विवरण 2002 की मतदाता सूची के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाता। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदाता पहचान और पते के प्रमाण के रूप में आधार सहित 12 मान्यता प्राप्त दस्तावेजों में से कोई भी जमा किया जा सकता है। हालांकि, आधार कार्ड को अकेले दस्तावेज के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं को सुनवाई केंद्रों पर आने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि निर्वाचन आयोग के अधिकारी उनके आवास पर जाकर ही यह प्रक्रिया पूरी करेंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि सुनवाई प्रक्रिया 4,500 से अधिक सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की देखरेख में की जा रही है। केंद्रों पर केवल ईआरओ, एआरओ, बीएलओ और पर्यवेक्षकों जैसे अधिकृत अधिकारियों को ही अनुमति दी गई है।

विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल ने जारी किया नया नारा और लोगो

इस बार 'यतोई कोरो हमला, आबार जीतबे बांग्ला' नारा के साथ लोगो किया जारी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही सियासी पारा चढ़ने लगा है। तृणमूल कांग्रेस ने इस बार भाजपा के खिलाफ अपनी रणनीति को धार देते हुए एक नया चुनावी नारा और लोगो सार्वजनिक किया है। शनिवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर जारी किए गए इस नए नारे 'यतोई कोरो हमला, आबार जीतबे बांग्ला' (चाहे जितने भी हमले हो, फिर जीतेगा बंगाल) के जरिए सत्तारूढ़ दल ने एकजुटता का संदेश दिया है। इस नए लोगो में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की तस्वीरें प्रमुखता से दिखाई गई हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इस अभियान को बंगाल की जनता के स्वाभिमान और केंद्र की कथित दमनकारी नीतियों के खिलाफ एक बड़े हथियार के रूप में पेश किया है। पार्टी का कहना है कि यह नया लोगो केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि उन लोगों के सामूहिक गुस्से की अभिव्यक्ति है जिन्हें भाजपा द्वारा शोषित या अपमानित महसूस कराया गया है। तृणमूल ने भाजपा पर 'बंगाल विरोधी जमींदार' होने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य की जनता इस बार लोकतांत्रिक तरीके से ऐसी ताकतों को विदाई देगी।

मुख्य सचिवों की बैठक में शासन और सुधारों पर गहन चर्चा हुई : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मुख्य सचिवों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की, जिसमें उन्होंने शासन और सुधारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि यह सम्मेलन राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श और सतत संवाद के माध्यम से केंद्र-राज्य साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शासन और सुधारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास, कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन, नीति आयोग के सदस्य और सभी राज्यों व केंद्र-शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, नीति आयोग, राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों तथा संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के आधार पर इस सम्मेलन में सप्ताहांत में 'विकसित भारत के लिए मानव पूंजी' विषय पर चर्चा की जाएगी, जिसमें राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों की ओर से अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं तथा रणनीतियों को शामिल किया जाएगा। पांच प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिनमें बच्चों की शुरुआती शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियां शामिल हैं। सम्मेलन के कार्यक्रम के अनुसार, सप्ताहांत में छह विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें राज्यों में विनियमन में ढील; शासन में प्रौद्योगिकी : अवसर, जोखिम और उनका निवारण; स्मार्ट आपूर्ति शृंखला और बाजार संबंधों के लिए कृषि व्यवस्था; एक राज्य, एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल; आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी तथा वामपंथी उग्रवाद से निपटने को लेकर योजनाएं शामिल हैं।

संबलपुर में प्रवासी श्रमिक की मौत से नाराज मुख्यमंत्री ममता, कहा....

'भाजपा शासित राज्यों में बंगाली मजदूरों पर अत्याचार, हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं'

कोलकाता, समाज्ञा : ओडिशा के संबलपुर जिले में पश्चिम बंगाल के एक 30 वर्षीय प्रवासी मजदूर की कथित हत्या के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि मामले में 'जीरो एफआईआर' दर्ज की जा चुकी है और जांच के लिए राज्य पुलिस की एक टीम ओडिशा भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने बीजेपी-शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ जबरन उत्पीड़न और हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद के जांगीपुर क्षेत्र से गए प्रवासी मजदूरों को संबलपुर में गंभीर अत्याचारों का सामना करना पड़ा है। ममता बनर्जी के मुताबिक, बुधवार 24 दिसंबर को बीड़ी को लेकर हुए कथित विवाद के बाद युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में राज्य पुलिस ने सूती थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि जांच के लिए राज्य पुलिस की एक टीम ओडिशा भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मैं बीजेपी-शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ हो रहे अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा करती हूं। हम उन प्रवासी बंगाली परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं जिन्हें डराया-धमकाया गया और पीड़ित किया गया। उन्होंने दावा किया कि मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद से गए प्रवासी मजदूर भय के माहौल में वापस लौट रहे हैं। ममता ने कहा कि मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि बंगाली भाषा बोलना कभी अपराध नहीं हो सकता।

विधानसभा चुनाव से पहले अमित शाह की कोलकाता यात्रा, तीन दिनों का प्रवास

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह 29 दिसंबर से तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल आ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमित शाह 29 दिसंबर की शाम को कोलकाता पहुंचेंगे और वहां 31 दिसंबर तक रहेंगे। यात्रा की शुरुआत सोमवार की रात को होगी, जब अमित शाह कोलकाता पहुंचते ही भाजपा के शीर्ष स्थानीय नेताओं के साथ कोर ग्रुप की बैठक करेंगे। यह बैठक पार्टी की आंतरिक तैयारियों और संगठनात्मक मजबूती पर केंद्रित रहेगी। इस दौरान राज्य इकाई के नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा और आगामी चुनावों के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा। 30 दिसंबर को सुबह से ही वे पार्टी के कोर ग्रुप और सामान्य नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकों में शामिल होंगे। इस दिन, वे मीडिया से मुखातिब होंगे और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे, जिसमें चुनावी मुद्दों, एसआईआर प्रक्रिया और टीएमसी सरकार की नीतियों पर हमला बोल सकते हैं। इसके अलावा, शाह इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस) के प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन करेंगे। शाम को वे आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के कोलकाता कार्यालय जाएंगे, जहां उनकी संघ के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रचारकों के साथ लंबी बैठक होगी।

उन्नाव मामला: सेंगर की सजा के निलंबन के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई 29 दिसंबर को

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर 29 दिसंबर को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की 29 दिसंबर की सुनवाई सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी। सुनवाई सूची के मुताबिक, उच्चतम न्यायालय उन्नाव मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दायर याचिका के अलावा, अधिवक्ता अंजलि पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दायर एक अलग याचिका पर भी सुनवाई करेगा, जिसमें उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 28 दिसम्बर, रविवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, पौष शुक्लपक्ष अष्टमी, 11:55 तक, नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 08:32 तक, योग : वरीघा, 10:05 तक, सूर्योदय: 06:15, सूर्यास्त: 17:00, चन्द्रोदय : 11:38, चन्द्रास्त: 24:33, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 15:37 से 16:57

साप्ताहिक : राशिफल 28-12-25 से 03-01-26

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : आने वाले नए सप्ताह में आपकी सेहत की बात करें तो आप खानपान में नियंत्रण बरतें। आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बाहर के खाने-पीने से परहेज करें। इस सप्ताह अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए मेहनत अधिक करनी होगी। तभी इच्छानुसार लाभ मिलेंगे। नौकरीपेशा वाले जातक अपना काम ध्यान से करें। सप्ताह आपके लिए बेहतर रहेगा। आपके प्रेम भरे रिश्तों में कुछ परेशानियां दिखाई पड़ रही हैं। जीवनसाथी से आपको सुखद समाचार मिलेगा। इस सप्ताह आपके धन अधिक खर्च होगा।

वृष : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन कोई पेट से जुड़ी पुरानी समस्या फिर से उभर सकती है, इसके लिए सावधानी बरतें। सप्ताह के अंत में आपको किसी मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपके प्रेम-संबंधों में रोमांस बना रहेगा। वैवाहिक संबंधों को लेकर सतर्क रहें। आपको करियर में सावधानी बरतनी होगी। वहीं, बिजनेस में मेहनत के बाद ही सफलता मिलेगी। इस सप्ताह आप कोई नया मकान खरीदने या नया घर बनवाने में धन खर्च करेंगे।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह : इस नए सप्ताह में आपका स्वास्थ्य थोड़ा बिगड़ सकता है, जिसमें काफी धन खर्च हो सकता है। बाहर का खाने-पीने से बचें। आपके प्रेम-संबंधों में कंफ्यूजन आ सकता है, जिससे परेशानी आ सकती है। वैवाहिक जीवन में मनमुटाव को दूर कर सकते हैं। बाहरी व्यक्ति की बातों पर ध्यान ना दें तो अच्छा रहेगा। आपका करियर ठीक चलेगा। कई यात्राएं भी कर सकते हैं। वहीं, बिजनेस करने वालों का नए-नए लोगों से संपर्क होगा, जो फायदा देगा। इस सप्ताह आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा शेयर मार्केट में निवेश से भी लाभ होगा।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : इस सप्ताह आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। किसी प्रकार की कोई एलर्जी है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इस सप्ताह प्रेम-संबंधों में जोश दिखाई दे रहा है। वैवाहिक संबंधों में थोड़ी कड़वाहट आ सकती है। थोड़ा ध्यान रखें। इस सप्ताह यात्राओं पर अधिक धन खर्च हो सकता है। बिजनेस करने वाले जातकों को निवेश से लाभ होगा। नौकरी करने वाले जातक ऑफिस में किसी भी प्रकार की पॉलिटिक्स से बचें। अगर आप नौकरी बदलना चाहते हैं तो अभी थोड़ा इंतजार करें।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : दिसंबर के आखिरी सप्ताह में आपकी सेहत सुधरेगी। अगर कमर दर्द से परेशान हैं तो उसमें भी आराम मिलेगा। आपके प्रेम-संबंध में तनाव दिखाई दे रहा है। वैवाहिक संबंध अच्छे बने रहेंगे। जीवनसाथी संग रोमानी समय बिताएंगे। बिजनेस करने वालों को नया व्यापार करने के लिए धन अधिक खर्च करना पड़ सकता है। रियल एस्टेट से लाभ होगा। नौकरी करने वाले जातक नौकरी बदलने के प्लान पर थोड़ी गंभीरता से सोचें।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : दिसंबर के आने वाले नए सप्ताह में आपको आराम मिलेगा। प्रेम-संबंधों में सावधानी बरतते रहें। अपने पार्टनर संग रिश्तों में घमंड को दूर रखें। वैवाहिक संबंधों में भी कन्फ्यूजन हो सकती है। माता-पिता के कहने पर चलेंगे तो सब अच्छा रहेगा। नया बिजनेस करना चाहते हैं तो अभी रुक जाएं, समय सही नहीं चल रहा है। वहीं, नौकरीपेशा वाले जातक बहसबाजी ना करें। आपके धन की स्थिति थोड़ी डांवाडोल रहेगी। अनावश्यक खर्चे परेशान कर सकते है। आपको शिक्षा पर फोकस बनाए रखना है।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते : इस सप्ताह आपकी सेहत की बात करें तो अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। आपके प्रेम-संबंधों के लिए समय अच्छा नहीं चल रहा है। मन में उत्साह कुछ काम रहेगा। वैवाहिक संबंधों में भी विवाद हो सकता है। आपको बिजनेस में मनचाहा प्रोजेक्ट मिल सकता है। नौकरी वाले जातक को इस सप्ताह नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। अपने धन को लेकर थोड़ा सावधान रहें। आपकी शिक्षा की बात करें तो मेहनत अधिक करनी होगी। तभी मनचाही सफलता मिलेगी।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : इस सप्ताह आपकी सेहत थोड़ी बिगड़ सकती है। कोई एलर्जी है तो पूरा इलाज करवाएं। मॉर्निंग वॉक और यो-गासन अवश्य करें। आपको बिजनेस में निवेश सोच-समझकर करना होगा। वरना पैसा डूब सकता है। आपके नए कांटेक्ट भी बनेंगे, जो आगे चलकर लाभ दिलवाएंगे। नौकरी वाले जातकों के लिए सप्ताह उत्साह से भरा रहेगा। प्रेम-संबंध की बात करें तो जोश और रोमनी बरकरार रहेगा। अपने पार्टनर से खुश रहेंगे। वैवाहिक संबंधों की बात करें तो इस सप्ताह आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। आपके धन की स्थिति सुधरेगी। कोई लोन ले रखा है तो आप उसे चुका देंगे।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे : इस सप्ताह इस राशि के जातकों की सेहत अच्छी रहेगी। चिंता की कोई बात नहीं है। यह सप्ताह बिजनेस और नौकरीपेशा जातकों के लिए बढ़िया रहेगा। बिजनेस में कोई नई डील हो सकती है। वहीं, नौकरी में भी बदलाव हो सकता है। प्रेम-संबंधों में शक को नजरअंदाज करें। वैवाहिक संबंधों की बात करें तो तनाव के चलते अलगाव की स्थिति बन सकती है। विद्यार्थियों की बात करें तो इनका मन पढ़ाई से भटक सकता है। मेहनत करते रहें।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : इस सप्ताह मकर राशि के जातकों की सेहत की ठीक रहेगी। आंखों की समस्या परेशान कर सकती हैं। आपको बिजनेस को लेकर थोड़ा कन्फ्यूजन हो सकता है। संभलकर निर्णय लें। नौकरी वाले जातकों की बात करें तो आपको नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। आपके प्रेम-संबंधों में जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है। दांपत्य जीवन के लिए समय अच्छा है। वाणी पर नियंत्रण रखें। आपके रुपए-पैसे की स्थिति भी ठीक बनी रहेगी। यदि आप रियल एस्टेट में निवेश करना चाहते हैं तो रुके रहें।

कुम्भ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : इस सप्ताह आपकी सेहत की बात करें तो आपका स्वास्थ्य एकदम फिट रहेगा। आपको किसी प्रकार का कोई शारीरिक कष्ट नहीं होगा। आपके अंदर फुर्ती और जोशी भी बना रहेगा। बिजनेस करने वाले जातकों के लिए यह सप्ताह मेहनतभरा रहेगा। नौकरी वाले जातकों को नई नौकरी मिल सकती है। इस सप्ताह आपके प्रेम-संबंधों में थोड़ी कड़वाहट आ सकती है। आपका प्रेमी से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। वैवाहिक संबंधों की बात करें तो उसे अच्छा बनाए रखें। शादी-शुदा लोगों के लिए यह सप्ताह अच्छा रहेगा। नए सप्ताह में धन अधिक खर्च हो सकता है।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची : इस सप्ताह आप कमर या पैरों के दर्द से परेशान हो सकते हैं। ऐसे में लापरवाही ना बरतें। प्रेम-संबंध मजबूत बने रहेंगे यदि आप प्रेमी से प्रेम का इजहार करना चाहते हैं तो आपके लिए अच्छा समय रहेगा। जीवन साथी के साथ भी रिश्तों में तालमेल बनाए रखने की कोशिश करें। आपके रुपए-पैसे की बात करें तो आपको बहुत अधिक धन खर्च करना पड़ सकता है। इस समाह कोई नया वाहन या घर खरीदने की योजना बना सकते हैं। व्यापार करने वाले जातक धन का निवेश सही समय और सही स्थान पर करें तो अच्छा रहेगा। शिक्षा की बात करें तो आप थोड़ा सा सावधान रहें।

बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे, भाजपा एकमात्र हिंदुओं की रक्षक पार्टी : मिथुन

आसनसोल : अभिनेता व भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने शनिवार को कहा कि राज्य में कुछ जगहों पर हिंदू ब्राह्मणों को खदेड़ा जा रहा है। यह बंगाल हमलोगों का है। हमारे पास जाने के लिए दूसरा देश नहीं है। बांग्लादेश के लोगों के लिए कई देश हैं। हम हिंदुओं को यहीं रहना है, इसलिए एक छतरी के नीचे आकर भाजपा को वोट करें। भाजपा ही एकमात्र पार्टी है, जो सत्ता में आने के बाद आपकी रक्षा कर सकेगी। मिथुन ने कहा कि बंगाल को बांग्लादेश बनाना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जब तक शरीर में खून की एक बूंद है, कोई यह नहीं कर सकता। शनिवार को कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के आलडीहा फुटबॉल मैदान में भाजपा की ओर से आयोजित परिवर्तन संकल्प सभा को संबोधित करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने ये बातें कहीं।

इस दिन, कुल्टी में परिवर्तन संकल्प सभा में मिथुन ने अपने भाषण को हिंदुत्व पर ही केंद्रित किया। कम्युनिस्ट, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के उन लोगों से, जो हिंदुत्व में विश्वास करते हैं, से अपील की कि इस बार एकजुट होकर वोट करें। वर्तमान सरकार को हमेशा के लिए विदा कर दें। उन्होंने कहा कि तृणमूल के निलंबित नेता हुमायूं कबीर ने हिंदुओं को काटकर भागीरथी नदी में बहा देने का विवादित बयान दिया था। इस पर मुख्यमंत्री खामोश रहीं।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ : कोलकाता में रैली की अगुवाई कर सकती हैं पी. टी. उषा

कोलकाता, समाज्ञा : लोक भवन द्वारा बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वंदे मातरम की रचना की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भारत की दिग्गज एथलीट पी टी उषा कोलकाता में एक रैली का नेतृत्व करने वाली हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

लोक भवन के एक अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि पांच और छह जनवरी को होने वाले कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत और उसके रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के प्रति सम्मान को रेखांकित करेंगे। उन्होंने कहा कि पांच जनवरी को तीन रैलियां आयोजित की जाएंगी, जिनका समापन कोलकाता में रवींद्रनाथ टैगोर के निवास जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में होगा और वहां एक 'अखंड ज्योति' (शाश्वत लौ) प्रज्वलित की जाएगी। पोस्ट में कहा गया है कि 6 जनवरी, 2026 को अखंड ज्योति को एक रैली के रूप में जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी से विक्टोरिया मेमोरियल हॉल तक ले जाया जाएगा, जिसका नेतृत्व पी टी उषा द्वारा किए जाने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि श्रेया घोषाल, सोनू निगम, अरिजीत सिंह, कैलाश खेर, उषा उथुप, पापोन, शंकर महादेवन और कविता कृष्णमूर्ति जैसे मशहूर गायक 6 जनवरी को विक्टोरिया मेमोरियल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और कई भारतीय भाषाओं में वंदे मातरम गाएंगे।

राज्य में सबसे सर्द रहा दार्जिलिंग, न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में अगले कुछ दिनों तक ठंड का दौर जारी रहेगा और न्यूनतम तापमान में फिलहाल किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी शहर दार्जीलिंग शनिवार को राज्य में सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर बंगाल का अलीपुरद्वार मैदानी इलाकों में सबसे ठंडा रहा, जहां पारा 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अन्य स्थानों में भी कड़ाके की ठंड महसूस की गई। कलिम्पोंग में न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री, श्रीनिकेतन में 9.7 डिग्री और बांकुड़ा में 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी कोलकाता में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जहां रविवार सुबह 'हल्का कोहरा' छाए रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर बंगाल के जिलों में अगले एक सप्ताह तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, जबकि दक्षिण बंगाल के जिलों में अगले चार दिनों तक स्थिति यथावत बनी रहेगी। विभाग के अनुसार, इसके बाद के तीन दिनों में दक्षिण बंगाल में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की धीरे-धीरे वृद्धि होने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी बताया कि अगले दो दिनों तक दक्षिण बंगाल और अगले पांच दिनों तक उत्तर बंगाल में सुबह के समय 'हल्का से मध्यम कोहरा' छाया रहेगा। अगले एक सप्ताह तक पूरे राज्य में मौसम मुख्य रूप से शुष्क बना रहेगा।

50 लाख का लोन लेकर गायब हुआ बीएलओ, एसआईआर के वर्क लोड से नहीं : राज्य पुलिस

बीते पांच दिनों से लापता हैं बीएलओ, पुलिस ने चुनाव आयोग की सौंपी रिपोर्ट

पूर्व बर्दवान : जिले के कटवा में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) अमित कुमार मंडल लापता हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, वे 50 लाख रुपए का लोन लेकर गायब हो गए। इस लोन की वजह से ही उनकी गुमशुदगी का मामला जुड़ा हुआ माना जा रहा है। इस घटना का विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) के काम या उससे जुड़े किसी दबाव से कोई संबंध नहीं है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और चुनाव आयोग को यह जानकारी दी है।

उल्लेखनीय है कि कटवा विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 23 के बीएलओ अमित कुमार मंडल पिछले चार दिनों से लापता हैं। उनके परिवार ने उन्हें ढूंढने के लिए पुलिस से संपर्क किया है। इसके बाद, चुनाव आयोग ने इस घटना के बारे में जिला पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी। पता चला है कि पुलिस ने चुनाव आयोग को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें अमित के गायब होने की वजह बताई गई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया कि अमित ने एक बैंक से करीब 50 लाख रुपए का लोन लिया था। बाद में, उसने वह पैसा शेयर बाजार में लगाया। हालांकि, उसे शेयर बाजार में सब कुछ गंवाना पड़ा और उस पर बहुत ज्यादा कर्ज हो गया। इसी वजह से बीएलओ अपना घर छोड़कर चला गया, जबकि परिवार को लगा कि एसआईआर से जुड़े काम के दबाव को झेल न पाने की वजह से वह लापता हो गया है। इस घटना के सामने आने के तुरंत बाद, चुनाव आयोग ने बीएलओ के लापता होने की जांच के आदेश दिए थे। अमित कटवा-1 ब्लॉक की खजुरडीही पंचायत के बिकिहाट इलाके का रहने वाला है। वह पेशे से टीचर है और केतुग्राम के उद्धरणपुर प्राइमरी स्कूल में पढ़ाता है। हालांकि, उनके गायब होने से प्रशासन मुश्किल में पड़ गया है।

सूत्रों के अनुसार, अगर अमित तय समय तक भी नहीं मिलते हैं, तो उनका अधूरा काम पूरा करने के लिए किसी और को उनकी जगह नियुक्त किया जाएगा।

कंबल वितरण दान नही सहयोग है : राजकुमार व्यास

कोलकाता, समाज्ञा : विप्र फाउंडेशन के स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत कोलकाता उत्तर चैप्टर द्वारा सप्तर्षि सभागार में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद लोगों तक सहयोग पहुंचाना रहा। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार व्यास ने कहा कि संस्था का मूल सिद्धांत राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और स्वजातीय गतिशीलता पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कंबल वितरण किसी प्रकार का दान नहीं, बल्कि एक भाई द्वारा दूसरे भाई को दिया गया सहयोग है।

कार्यक्रम में उपस्थित पार्षद मीना पुरोहित ने विप्र फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याणकारी कार्यों की सराहना करते हुए कार्यकर्ताओं के समर्पण को प्रेरणादायी बताया। वहीं, पार्षद विजय ओझा ने संस्था के देशभर में चल रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा की। जोन-7 के महासचिव मनोज ओझा ने कहा कि बंगाल की धरती से शुरू हुआ विप्र फाउंडेशन आज न केवल देशभर में बल्कि विदेशों में भी समाज की एकता और सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहा है, जो सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता का परिणाम है। कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष भरतराम तिवाड़ी तथा राजस्थान ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष दुर्गा व्यास भी उप-स्थित रहे और उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चैप्टर अध्यक्ष राधेश्याम सुरावत ने की, जबकि संचालन चैप्टर सचिव पवन शर्मा ने किया। मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में सैकड़ों समाजजनों को अतिथियों के हाथों पंक्तिबद्ध तरीके से कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिषेक कौशिक, गणेश डोकवाल, भरत जोशी, मनीष बिस्सा सहित अनेक कार्यकर्ताओं का सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम की जानकारी संयोजक चंद्रशेखर बसोटिया ने दी।

विधानसभा चुनाव : कम अंतर से पराजित सीटों पर भाजपा का फोकस

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा ने रणनीतियों पर तेजी से काम कर दिया है। पार्टी ने उन विधानसभा क्षेत्रों पर खास ध्यान केंद्रित करना शुरू किया है, जहां पिछले चुनावों में उसके उम्मीदवार बहुत कम अंतर से हार गए थे। पार्टी के राज्य नेतृत्व ने एक मानक तय किया है। इसके तहत उन सीटों की पहचान की जा रही है, जहां 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के विधानसभा क्षेत्रवार नतीजों में हार का अंतर 10 हजार वोट से कम रहा था। भाजपा की राज्य समिति के एक सदस्य के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या भले ही 2019 से कम रही हो, लेकिन विधानसभा क्षेत्रवार प्रदर्शन 2021 के विधानसभा चुनाव से बेहतर था। 294 विधानसभा क्षेत्रों के नतीजों का विस्तार से अध्ययन करने के बाद ऐसे क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां हार का अंतर बहुत कम था। अब इन्हीं सीटों पर विशेष रणनीति के तहत काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की हार 10 हजार वोट या उससे कम के अंतर से हुई, वहां माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा को मिले वोटों ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी कारण पार्टी अब गैर भाजपा लेकिन तृणमूल कांग्रेस विरोधी मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने पर विशेष जोर दे रही है।

गंगासागर मेला परिसर का निरीक्षण करते पीएचईडी विभाग के प्रधान सचिव व मुख्य अभियंता, पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता व अन्य वरिष्ठ अधिकारी

श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन राम विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के गंगाराम वैरागी लेन स्थित रामजानकी शिव मंदिर (जायसवाल भवन) में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत शनिवार को पांचवें दिन भगवान श्रीराम के विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण और विस्तार से वर्णन किया गया। कथा व्यास पूज्य उपेन्द्र पाराशर जी महाराज ने श्रीराम-सीता विवाह की कथा को संगीतमय भजनों और भावपूर्ण व्याख्या के साथ प्रस्तुत किया। जैसे ही विवाह प्रसंग का वर्णन हुआ, पूरा कथा स्थल भक्ति, उल्लास और जय श्रीराम व सीताराम के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भावविभोर होकर भक्ति रस में डूब गए और कथा के दौरान मंदिर परिसर का वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। राम जानकी शिव मंदिर एवं समस्त नगरवासियों के संयुक्त तत्व-ावधान में आयोजित यह ज्ञान यज्ञ 23 दिसंबर 2025 को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ था। प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं। यह कथा 31 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

न्यूज ब्रीफ

द्वितीय हुगली सेतु पर कंटेनर लदा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला

कोलकाता, समाज्ञा : द्वितीय हुगली पुल पर शनिवार की सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। हावड़ा से कोलकाता की ओर जा रहा कंटेनर लदा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पुल के बीच बने डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक में लदा कंटेनर उछलकर पुल पर जा गिरा और डिवाइडर के बीच फंस गया। हालांकि, इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ट्रक तेज रफ्तार में कोलकाता की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान चालक का ट्रक पर से नियंत्रण हट गया और वह सीधे डिवाइडर से जा टकराया। हादसे के बाद पुल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। चालक और खलासी सुरक्षित तरीके से ट्रक से बाहर निकल आए। पुलिस ने क्रेन की मदद से कंटेनर को हटाने की प्रक्रिया शुरू की, जिससे धीरे-धीरे हालात सामान्य होने लगे। पुलिस का कहना है कि कंटेनर डिवाइडर के बीच फंस जाने के कारण पुल की बाकी लेन को चालू रखने में ज्यादा दिक्कत नहीं आई। कुछ ही देर में पुल पर फिर से सामान्य रूप से गाड़ियों की आव-ाजाही शुरू हो गई।

आर्य समाज कलकत्ता ने द्वारका प्रसाद जायसवाल का किया सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : आर्य समाज कलकत्ता के 140वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में समाजसेवी द्वारका प्रसाद जायसवाल का सम्मान किया गया एवं अभिनंदन पत्र सौंपा गया। इस मौके पर कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस दौरान, अतिथियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी एवं उनके दीर्घायु होने की कामना की।

वर्ग पहेली नं. 3305

1		2	3	■	4		5	■	6
■	■	7		8		■	9		
10	11		■	12		13		■	
14		■	15		■		■	16	
■	17			■	18		19		■
20	■	■	21			■	22		23
24		25		■	26	27	■	28	
	■	29		30	■	31			■
32			■	33			■	34	

बायें से दायें :- 1) विचारविमर्श, 4) अचंभा, 7) वैभवशाली, 9) पहिया, 10) अबीर, 12) वकील का पेशा, 14) अहंकार, 15) छोर, 16) जल की बड़ी प्राकृतिक धारा, 17) सिख गुरू 18) व्यवस्था, 21) संतप्त, 22) भौचक्का, 24) विष्णु, 26) एक फल, 28) मक्कायात्रा, 29) स्वदेश, 31) छलाँग; कुलाँच; प्रवाह, 32) भावुक, 33) समाविष्ट, 34) एक राशि.

ऊपर से नीचे :- 2) विस्तीर्ण, 3) जाँघ, 4) नक्षत्र, 5) बचा अंश, 6) अपव्यय, 8) भोज, 10) खोया, 11) चढ़ाना, 13) ज़ायका, 15) जोड़ घटा गुणा भाग, 16) कृतघ्नता, 18) एक खट्टी फली, 19) महीना, 20) आश्चर्य, 23) मुकुट, 25) रसीद, 27) बारहसिंघा, 30) कैफ़

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

क	ड्डी	■	मा	न	स	म्मा	न	■	प्रे
श	■	प	त्रा	■	ला	■	र	ही	म
म	झो	ला	■	आ	ह	त	■	क	वि
क	■	श	क	ल	■	र	■	■	वा
श	क	■	ठो	स	■	ह	म	रा	ह
■	न	ज़	र	■	अ	दा	ल	त	■
■	स्त	■	■	अ	स्त	र	■	रा	■
का	र	गु	ज़ा	र	■	■	अं	जा	म
फ़ी	■	णी	■	ब	दौ	ल	त	■	स्था

सुडोकू-पहेली-3263

7	3			2			6	
				8	9			
						3		
	6						7	
		5				8		
2								1
			7					8
4			9		2	7		
				6	1		2	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

●●●●

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3262 का उत्तर

5	9	3	1	2	8	7	6	4
7	6	8	3	5	4	9	1	2
1	2	4	7	9	6	5	8	3
4	1	7	6	3	2	8	5	9
6	5	2	9	8	1	4	3	7
3	8	9	5	4	7	1	2	6
2	7	1	8	6	9	3	4	5
9	3	6	4	1	5	2	7	8
8	4	5	2	7	3	6	9	1

हटाए नामों पर चुनाव आयोग दे जवाब, बांग्लादेशियों व रोहिंग्या की संख्या बताए : अभिषेक

❑ 31 को दिल्ली जाकर मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलेंगे अभिषेक, सवालों का जवाब नहीं देने पर आयोग के घेराव की दी धमकी

❑ उठाया सवाल... 'बंगाल में सबसे कम नाम डिलीट होने पर भी आयोग ने माइक्रो आब्जर्वर क्यों नियुक्त किए?'

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी ने राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर शनिवार को गंभीर आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने आयोग से एसआईआर के तहत हटाए गए नामों पर जवाब देने की मांग की। साथ ही, मांग की कि हाल में प्रकाशित एसआईआर की मसौदा सूची से राज्य में हटाए गए 58.20 लाख नामों में से कितने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं, इसकी संख्या का चुनाव आयोग खुलासा करे। उन्होंने पूर्व में भाजपा नेताओं के उन आरोपों पर घेरा, जिसमें दावा किया गया था कि बंगाल की मतदाता सूची में एक करोड़ से ज्यादा घुसपैठिए हैं। इस दिन, तृणमूल भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभिषेक ने सवाल किया कि जब बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में सबसे कम मतदाताओं के नाम डिलीट हुए हैं, उसके बावजूद आयोग ने यहां माइक्रो आब्जर्वर क्यों नियुक्त किए? उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह 31 दिसंबर को नई दिल्ली जाकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगे और पूरी सूची देखने देने की मांग करेंगे व सवाल पूछेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वे हमारे सवालों का जवाब नहीं देते हैं तो हम चुनाव आयोग का घेराव और विरोध प्रदर्शन करेंगे। अभिषेक ने कहा कि बंगाल की कुल आबादी करीब 10.05 करोड़ है और एसआईआर में हटाए गए नाम कुल जनसंख्या का सिर्फ 5.79 प्रतिशत हैं, जो एसआईआर वाले अन्य राज्यों की तुलना में सबसे कम है। अभिषेक ने आयोग द्वारा प्रकाशित मसौदा सूची के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि तमिलनाडु, गुजरात और छत्तीसगढ़ में हटाए गए मतदाताओं का प्रतिशत बंगाल से ज्यादा है। फिर भी केवल बंगाल में ही आयोग द्वारा केंद्रीय टीमें क्यों भेजी जा रही हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल की प्रचंड जीत और भाजपा की करारी हार के बाद से केंद्र सरकार का एजेंडा बंगाल के लोगों को परेशान करना है। अभिषेक ने कहा कि 1.36 करोड़ मतदाताओं के नामों में तथाकथित गड़बड़ी की जो बात कही जा रही है, जिन्हें सुनवाई के लिए चिह्नित किया गया है, उसकी सूची भी सार्वजनिक करने की उन्होंने मांग की। उन्होंने कहा कि अगर वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में राज्य की मतदाता सूची में बांग्लादेशी या रोहिंग्या हैं, तो चुनाव आयोग को नामों सहित सूची जारी करनी चाहिए, अन्यथा बंगाल की जनता से माफी मांगे। उन्होंने दावा किया कि उनके पास स्क्रीनशाट व अन्य सूबत हैं, जिनसे साबित होता है कि भाजपा के कहने पर पिछले दरवाजे से मतदाता सूची से वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की अधिकारी सीमा खन्ना की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि साफ्टवेयर की गड़बड़ी की बात उन्होंने खुद मानी है। यह सारे सबूत सुप्रीम कोर्ट में जमा किए जाएंगे।

❑ चुनाव आयोग को बताया 'वाट्सएेप कमीशन'

उन्होंने चुनाव आयोग को वाट्सएेप कमीशन करार देते हुए कहा कि बिना किसी आधिकारिक प्रेस रिलीज के गलत सूचनाएं वाट्सएेप पर फैलाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर की समय-सीमा अन्य राज्यों में बढ़ाई गई, लेकिन बंगाल में नहीं। तृणमूल सांसद ने कहा कि जल्दबाजी में कराई गई इस प्रक्रिया के कारण आम लोगों और बीएलओ पर भारी दबाव पड़ा, जिसके चलते आत्महत्या की घटनाएं तक सामने आईं। उन्होंने यह भी कहा कि नवंबर में आयोग के सामने तृणमूल द्वारा रखे गए पांच बुनियादी सवालों का अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

❑ दो जनवरी से मैदान में उतरेंगे अभिषेक, घर-घर जाकर सरकार के कार्यों का पेश करेंगे रिपोर्ट कार्ड

राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया के बीच तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने घोषणा की कि दो जनवरी से वह खुद घर-घर जाकर लोगों से मिलेंगे और राज्य सरकार के विकासमूलक कार्यों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे। अभिषेक ने कहा कि बीते 15 वर्षों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जो विकास कार्य किये हैं, उनका पूरा ब्योरा लेकर तृणमूल कार्यकर्ता जनता के दरवाजे तक जाएंगे। इसके साथ ही एसआईआर के नाम पर वैध मतदाताओं के नाम हटाने की कथित साजिश के खिलाफ भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

❑ एसआईआर : तृणमूल का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 31 दिसंबर को सीईसी से मिलेगा

राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 31 दिसंबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेगा। सूत्र के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल में तृणमूल के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी और राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद का मुद्दा उठाएगा।

एसआईआर : तकनीकी गलतियों की वजह से बाहर हुए वोटरों को सुनवाई में न बुलाने का फैसला

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य में शनिवार से एसआईआर की सुनवाई का दौर शुरू हो गया है। इस दिन, राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त मनोज कुमार अग्रवाल ने सुनवाई को लेकर एक अहम बात कही। उन्होंने कहा कि जिन वोटर्स को एसआईआर प्रोसेस में 'अनमैप्ड' मार्क किया गया था और उनके नाम या विरासत 2002 की वोटर लिस्ट से लिंक थे, लेकिन टेक्निकल वजहों से बीएलओ ऐप में वह मैपिंग डिटेक्ट नहीं हो पाई, उन्हें सुनवाई के लिए न बुलाने का फैसला किया गया है।

राज्य सीईओ ऑफिस की तरफ से डीईओ को भेजे गए निर्देशों में कहा गया है कि 2002 की वोटर लिस्ट की पीडीएफ से डेटा कन्वर्ट करने के दौरान, किसी वजह से कई मामलों में लिंक नहीं मिल पाया।

हालांकि, संबंधित वोटर के मामले में, उसका नाम या परिवार का लिंक 2002 की वोटर लिस्ट की हार्ड कॉपी में साफ तौर पर दर्ज है और यह राज्य सीईओ ऑफिस की वेबसाइट पर भी पब्लिश है। ऐसे में सीईओ ऑफिस ने कहा है कि ऐसे वोटर्स को सुनवाई का कोई नोटिस नहीं भेजा जाएगा।

दूसरी तरफ, जो भी हियरिंग नोटिस बने हैं, उन्हें भेजने के बजाय ईआरओ/एईआरओ के पास स्टोर करने को कहा गया है। इसके अलावा, 2002 की वोटर लिस्ट का संबंधित हिस्सा वेरिफिकेशन के लिए संबंधित जिले के डीईओ को भेजा जाएगा।

चुनाव आयोग ने 778 माइक्रो-ऑब्जर्वर को जारी किया कारण बताओ नोटिस

चुनाव आयोग ने राज्य में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर दावों और आपत्तियों पर सुनवाई सत्र की समीक्षा और निगरानी के लिए आयोग द्वारा विशेष रूप से नियुक्त 778 माइक्रो-ऑब्जर्वर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि 24 दिसंबर को कोलकाता के नजरुल मंच में इन माइक्रो-ऑब्जर्वर के लिए एक दिन का ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया गया था। सीईओ कार्यालय के अंदरूनी सूत्र ने कहा कि ये 778 माइक्रो-ऑब्जर्वर न केवल ट्रेनिंग सेशन में अनुपस्थित रहे, बल्कि उन्होंने सुनवाई सत्रों की समीक्षा और निगरानी की प्रक्रिया में भाग लेने में भी असमर्थता जताई। इसीलिए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिसमें उनसे पूछा गया है कि अनुशासनहीनता के लिए आयोग उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न करे। जिन 778 माइक्रो-ऑब्जर्वर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उनसे अगले 48 घंटों के भीतर नोटिस का जवाब देने को कहा गया है, ऐसा न करने पर आयोग उनके खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिसमें उनकी सेवाओं से सस्पेंशन भी शामिल है।

एसआईआर : सांसद काकोली घोष के परिवार के चार सदस्यों को सुनवाई के लिए बुलाया गया

तृणमूल सांसद ने 'उत्पीड़न' का लगाया आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के प्रकाशन के बाद शनिवार से सुनवाई की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बीच, बारासात से तृणमूल की सांसद काकोली घोष दस्तीदार के दोनों बेटों को एसआईआर प्रोसेस में सुनवाई के लिए बुलाया गया है। यहां तककि तृणमूल कांग्रेस की सांसद की मां और बहन को भी सुनवाई में पेश होने के लिए नोटिस भेजा गया है। काकोली घोष दस्तीदार ने इसे लेकर सवाल उठाया। काकोली घोष दस्तीदार ने सवाल किया है कि अगर किसी सांसद के परिवार वालों को बुलाया जाता है, तो आम लोगों की क्या हालत होती होगी? काकोली घोष दस्तीदार ने बताया कि जब मैंने ड्राफ्ट लिस्ट देखी, तो मैंने देखा कि मेरे दो बेटों के नाम गायब थे। उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया हैं। उनके पिता (पूर्व राज्यमंत्री सुदर्शन घोष दस्तीदार) पूर्व मंत्री हैं। मैं चार बार की सांसद हूं। मेरे दो बेटे सरकारी कर्मचारी है। वे सुनवाई में जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि एसआईआर कैसे किया जा रहा है। दूर-दराज के इलाकों के लोग, जिनसे ज्यादा बातचीत नहीं होती, उन्हें नहीं पता कि वे सुनवाई में क्या मांग रहे हैं, उन्हें परेशान किया जा रहा है। उनके नाम जबरदस्ती काटकर उन्हें खतरे में डालने की कोशिश की जा रही है। मेरी मां और बहन दूसरे बूथ की वोटर हैं। उनके नाम भी गायब हैं।

विरोध प्रदर्शनों के बीच सीईओ कार्यालय की सुरक्षा बढ़ी, सुनवाई प्रक्रिया शुरू होते ही केंद्रीय बल तैनात

कोलकाता : लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों के मद्देनज़र कोलकाता स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हाल के दिनों में 'बीएलओ अधिकार रक्षा समिति' के सदस्यों द्वारा सीईओ दफ्तर के बाहर कई बार प्रदर्शन किए जाने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हुए थे। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर सीईओ कार्यालय को केंद्रीय बलों के घेरे में लाया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि शनिवार से ही राज्यभर में मतदाताओं की सुनवाई प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी दिन केंद्रीय बलों के वरिष्ठ अधिकारी भी सीईओ कार्यालय पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, सीईओ कार्यालय में एक सेक्शन केंद्रीय बल की तैनाती की गई है। इसके साथ ही कार्यालय को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। जानकारी यह भी मिली है कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल की व्यक्तिगत सुरक्षा में भी इजाफा किया जा रहा है। उन्हें वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दिए जाने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा सीईओ कार्यालय से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी केंद्रीय बलों की सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि सुनवाई प्रक्रिया के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए यह कदम उठाया गया है। सुरक्षा बढ़ाए जाने के फैसले को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है, वहीं प्रशासन का दावा है कि यह पूरी तरह एहतियाती और व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया कदम है।

एसआईआर : मतदाता सूची से नाम हटाए जाने पर अधिकारियों ने जताई चिंता, सौंपा ज्ञापन

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य सरकार के अधिकारियों के एक संगठन ने राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची के मसौदे में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। संगठन का आरोप है कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की वैधानिक भूमिका को दरकिनार कर 'स्वत: प्रणाली-चालित' तरीके से नाम हटाए जा रहे हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में 'डब्ल्यूबीसीएस (एग्जीक्यूटिव) ऑफिसर्स एसोसिएशन' ने कहा कि मसौदा प्रकाशन की तारीख पर बड़ी संख्या में ऐसे मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जिनके गणना फॉर्म (ईएफ) मृत्यु, प्रवास या अनुपस्थिति जैसे आधारों पर वापस नहीं आए थे। एसोसिएशन ने कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 22 के तहत किसी भी मतदाता का नाम हटाने से पहले संबंधित ईआरओ द्वारा उस व्यक्ति को सुनवाई का उचित अवसर दिया जाना अनिवार्य है। संगठन ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम एक साथ हटाना उन नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन है जो पात्र हो सकते हैं, लेकिन किसी कारणवश गणना प्रक्रिया के दौरान उपस्थित नहीं रह सके। इसने कहा कि अनिवार्य वैधानिक प्रावधानों को दरकिनार कर मतदाता सूची से इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने से यह आशंका पैदा होती है कि इस कार्रवाई के लिए ईआरओ को ही जवाबदेह ठहराया जाएगा, जबकि उन्हें अर्ध-न्यायिक सुनवाई के माध्यम से अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का अवसर ही नहीं दिया गया। संगठन के अनुसार, इस कार्रवाई से प्रभावित लोग ईआरओ को ही जिम्मेदार मानेंगे, जबकि उन्हें पूरी प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। एसोसिएशन ने राज्य के मुख्य निवार्चन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल से सुधारात्मक कदम उठाने और स्पष्ट निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

कोलकाता पुस्तक मेले में बांग्लादेश का भाग लेना अनिश्चित

कोलकाता, समाज्ञा : आगामी अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में पिछली बार की तरह ही इस बार भी बांग्लादेश के भाग लेने की संभावना नहीं है, क्योंकि आयोजकों ने शनिवार को कहा कि ऐसी किसी भी भागीदारी के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) से मंजूरी लेना अनिवार्य है। वार्षिक पुस्तक मेले के आयोजक 'पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड' के अधिकारी ने कहा कि वे स्टॉल संबंधी स्थान के आवंटन के लिए बांग्लादेश से आए अनुरोधों पर विचार करने में असमर्थ हैं। गिल्ड के महासचिव त्रिदिब चटर्जी ने कहा कि हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमा पार से आए किसी भी आवेदन पर विचार करने से पहले विदेश मंत्रालय की मंजूरी अनिवार्य है। चटर्जी ने कहा कि मेला आयोजित करने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा समर्थित एक गैर-आधिकारिक निकाय के रूप में हम अपनी ओर से बांग्लादेश की भागीदारी के बारे में कोई घोषणा नहीं कर सकते। मौजूदा स्थिति में अगर कोई सुरक्षा संबंधी मुद्दा उठता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? गिल्ड के एक अन्य पदाधिकारी ने कहा कि 26 दिसंबर को स्टॉल आवंटन के लिए आयोजित लॉटरी के प्रथम दौर से पहले बांग्लादेश के कई प्रकाशकों ने अनौपचारिक रूप से गिल्ड के अधिकारियों से संपर्क किया था, लेकिन उन्हें सूचित किया गया कि विदेश मंत्रालय की मंजूरी के बिना कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है।

तृणमूल भवन में प्रवेश के लिए नया नियम, पत्रकारों को क्यूआर कोड स्कैन कर करना होगा पंजीकरण

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस भवन में पत्रकारों के प्रवेश को लेकर नई व्यवस्था लागू की गई है। अब तक पत्रकार रजिस्टर में नाम दर्ज कराने के बाद पार्टी कार्यालय में प्रवेश करते थे, लेकिन शनिवार से यह प्रक्रिया बदल गई है। तृणमूल कांग्रेस के सर्वभारतीय महासचिव की पत्रकार वार्ता से पहले पार्टी भवन के मुख्य द्वार पर लगाए गए क्यूआर कोड ने सभी का ध्यान खींचा।

शनिवार को तृणमूल भवन के गेट के दोनों खंभों पर क्यूआर कोड लगाए गए थे। इन क्यूआर कोड को गूगल लेंस के जरिए स्कैन करने पर एक ऑनलाइन फॉर्म खुल रहा है, जिसमें पत्रकारों को अपना नाम, संबंधित मीडिया संस्थान का नाम, कार्यक्षेत्र यानी बीट और

मोबाइल नंबर जैसी आवश्यक जानकारियां भरनी होती हैं। फॉर्म भरते ही संबंधित पत्रकार का नाम स्वतः पंजीकृत हो जाता है और उन्हें पार्टी कार्यालय में प्रवेश की अनुमति मिल जाती है। इसके चलते अब अलग से रजिस्टर या डायरी में नाम लिखने की जरूरत नहीं रही।

तृणमूल कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि इस नई व्यवस्था से समय की बचत होगी और प्रवेश प्रक्रिया अधिक सरल हो जाएगी। साथ ही, इससे सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी, क्योंकि बिना पहचान के कोई अवांछित व्यक्ति पार्टी कार्यालय में प्रवेश नहीं कर सकेगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह पूरी डिजिटल प्रक्रिया तृणमूल कांग्रेस के मीडिया सेल की पहल है।

पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यह नियम केवल शनिवार के लिए नहीं है, बल्कि आगे भी रोजाना इसी व्यवस्था के तहत पत्रकारों को तृणमूल भवन में प्रवेश करना होगा। नई प्रणाली को आधुनिक और सुरक्षित बताते हुए पार्टी नेतृत्व ने उम्मीद जताई है कि इससे कार्य व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित होगी।

एसआईआर की कार्रवाई में भारत सेवाश्रम संघ भी प्रभावित

30-40 साधुओं के नाम वोटर सूची से हटे

कोलकाता : स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत अब भारत सेवाश्रम संघ भी प्रभावित हुआ है। चुनाव आयोग की ओर से जारी नोटिस के बाद भारत सेवाश्रम संघ के 30 से 40 साधुओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना राज्य में डखठ को लेकर चल रही बहस को और तेज कर रही है।

जानकारी के अनुसार, कोलकाता के बालिगंज विधानसभा क्षेत्र के एक सुनवाई केंद्र पर भारत सेवाश्रम संघ के कई साधु नोटिस लेकर पहुंचे। संघ के स्वामी चैतन्यानंद ने बताया कि उन्हें और उनके अन्य साथियों को चुनाव आयोग की ओर से नोटिस दिया गया है। नोटिस पाने वाले सभी साधुओं ने अपने पासपोर्ट भी प्रस्तुत किए हैं। बताया गया है कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उनके नाम दर्ज नहीं पाए गए, जिसके कारण यह कार्रवाई हुई।

साधुओं का कहना है कि वे वर्ष 1977 से इसी क्षेत्र में रह रहे हैं और हर साल नियमित रूप से मतदान करते आए हैं। इसके बावजूद अचानक नाम सूची से हटाए जाने से वे असमंजस में हैं। हालांकि, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को किसी प्रकार का उत्पीड़न मानने से इनकार किया है।

स्वामी चैतन्यानंद ने कहा कि देश के नियमों का पालन करना सभी के लिए आवश्यक है। भारत सेवाश्रम संघ का मूल उद्देश्य मानव सेवा है और मानवता ही उनका धर्म है। उन्होंने यह भी कहा कि कमजोरियां, कायरता और स्वार्थपरता समाज के लिए बड़ा पाप हैं और इन्हीं कारणों से आज इस तरह की समस्याएं और टकराव सामने आ रहे हैं। यदि लोग आपसी सहयोग और समझदारी से काम लें, तो ऐसी स्थितियां उत्पन्न ही न हों।

इस घटनाक्रम के बाद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। जहां एक ओर प्रशासन इसे नियमों के तहत की जा रही कार्रवाई बता रहा है, वहीं दूसरी ओर लंबे समय से मतदाता रहे लोगों के नाम हटने से प्रक्रिया की पारदर्शिता और व्यावहारिकता पर भी चर्चा तेज हो गई है।

मुंबई-दिल्ली-कोलकाता मार्ग पर 'कवच' परियोजना 2026 तक शुरू करने की योजना बना रहा रेलवे

नयी दिल्ली/कोलकाता : दिसंबर 2025 की दूसरी समयसीमा चूकने के बाद रेलवे अब स्थिर प्रगति और आक्रामक दृष्टिकोण के साथ 2026 में कभी भी राष्ट्रीय राजधानी को मुंबई और हावड़ा से जोड़ने वाले मार्गों पर स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' को शुरू करने की योजना बना रहा है। अधिकरियों ने यह बात कही। कवच स्वदेशी रूप से विकसित एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है, जो तकनीकी रूप से अत्यंत उन्नत प्रणाली है। यह लोको पायलटों को निर्धारित गति सीमा के भीतर ट्रेन चलाने में मदद करती है, और यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं तो यह स्वचालित रूप से ब्रेक लगा देती है। अधिकारियों के अनुसार, इन मार्गों पर 25 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और ये उपयोग के लिए तैयार हैं। शेष 75 प्रतिशत मार्गों पर प्रमुख घटक पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हम मुंबई-दिल्ली और दिल्ली-कोलकाता मार्गों पर कवच सेवा को चालू करने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह 2026 तक हासिल हो जाएगा। रेल मंत्रालय ने सात अगस्त, 2024 को कहा था कि उक्त मार्ग पर कवच का काम मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। इसने एक फरवरी, 2025 को 'संशोधित अनुमान 2024-25 और बजट अनुमान 2025-26 के लिए रेलवे अनुमान' नामक बजट दस्तावेज में समयसीमा को मार्च से बढ़ाकर दिसंबर 2025 करने की घोषणा की थी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 17 दिसंबर को लोकसभा में कवच स्थापना की प्रगति पर जानकारी दी थी। कांग्रेस सांसद मल्लु रवि ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता के व्यस्ततम मार्गों पर 'कवच' 4.0 की स्थापना के लिए दिसंबर 2025 की संशोधित समयसीमा के विशिष्ट कारणों और एक नवंबर, 2025 तक इस कार्य के पूर्ण होने की स्थिति के बारे में पूछा था। वैष्णव ने कहा कि विस्तृत और व्यापक परीक्षणों के बाद, कवच प्रारूप 4.0 को दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-नागदा खंड (633 किमी) और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-बर्धमान खंड (105 किमी) पर सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर के शेष हिस्सों में कवच परियोजना को लागू करने का काम शुरू कर दिया गया है।

अब हुमायूं की पार्टी राज्य में 182 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी

पीरजादा सिद्दीकी की आईएसएफ और ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ गठबंधन की तैयारी

मुर्शदाबाद/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक और 'जनता उन्नयन पार्टी' (जेयूपी) के संस्थापक हुमायूं कबीर ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति और आक्रामक कर दी है। शनिवार को कबीर ने घोषणा की कि उनकी पार्टी अब 135 के बजाय राज्य की 182 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हुमायूं कबीर का मुख्य उद्देश्य भाजपा को रोकना और साथ ही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को चुनौती देना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ हाथ मिला रहे हैं और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को भी इस गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया है। गठबंधन की आधिकारिक घोषणा के लिए उन्होंने 31 दिसंबर तक का समय तय किया है। कबीर का 182 में से कम से कम 90 सीटें जीतकर सरकार गठन में निर्णायक भूमिका निभाने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि समय बचाने के लिए वे हेलीकाप्टर का उपयोग करेंगे और प्रतिदिन तीन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार करेंगे। भरतपुर के विधायक कबीर ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो उन्हें 'गद्दार' कह रहे हैं, उन्होंने खुद मुस्लिम समुदाय और वक्फ संपत्ति के मुद्दों पर जनता के साथ धोखा किया है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणाम चमत्कारी होंगे, जो बंगाल के अनुभवी राजनेता भी नहीं कर पाए।

कुछ नेता सिर्फ अपनी राजनीति चमका रहे : अभिषेक बनर्जी

दूसरी तरफ, शनिवार को हुमायूं की बाबरी मस्जिद को लेकर टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने बड़ी प्रतिक्रिया दी। अभिषेक बनर्जी ने बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर कहा कि वहां केवल ईंटें रखी हैं। कुछ नेता सिर्फ अपनी राजनीति चमका रहे हैं। इस दौरान उन्होंने विधायक हुमायूं कबीर पर भी निशाना साधा। टीएमसी नेता ने कहा कि जो नेता कभी बीजेपी का प्रत्याशी रह चुके हैं, उन्हें तब बाबरी मस्जिद तोड़ने वाली पार्टी से जुड़ने में आपत्ति क्यों नहीं हुई?

तृणमूल ने चुनाव आयोग पर भाजपा की मदद के लिए राज्य में लाखों वोटरों के नाम हटाने का लगाया आरोप

❑ कई शिकायतों के साथ राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मिला तृणमूल प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

❑ भाजपा का पार्टी आफिस बन गया है चुनाव आयोग का कार्यालय : चंद्रिमा भट्टाचार्य

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए कुछ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की मदद करने के लिए उसपर राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत लाखों वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटाने का आरोप लगाया। राज्य में एसआईआर से संबंधित मामलों पर सुनवाई शुरू होने के बीच राज्य की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के नेतृत्व में तृणमूल के पांच सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल ने दोपहर में राज्य

के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल से उनके कार्यालय में मुलाकात की और अपनी शिकायतों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में मंत्री चंद्रिमा के अलावा राज्य सरकार के चार अन्य वरिष्ठ मंत्रियों- डॉ. शशि पांजा, अरूप विश्वास, मानस भुइयां व मलय घटक शामिल थे। सीईओ के साथ बैठक के बाद, मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पत्रकारों से कहा कि हम देख रहे हैं कि दूसरे राज्यों की तुलना में बंगाल में अलग-अलग नियम और तरीके लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गैर-मौजूद, शिफ्ट हुए और डुप्लीकेट वोटरों की क्रास-चेकिंग के नाम पर चुनाव आयोग ने लगभग 58 लाख असली वोटरों को अनमैप्ड बताकर मतदाता सूची से हटा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई चुनावों में भाजपा को बार-बार नकारने के लिए राज्य के लोगों को सजा देने के मकसद से मतदाता सूची से दो करोड़ वोटरों के नाम हटाने की बड़ी साजिश का हिस्सा लगती है। चंद्रिमा ने यह भी आरोप लगाया कि इस समय चुनाव आयोग का कार्यालय भाजपा का पार्टी कार्यालय बन चुका है। वहीं, मंत्री अरूप विश्वास ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा लांच किया गया मोबाइल एप्लिकेशन अनमैप्ड मतदाताओं को फार्म छह और सात के एनेक्सचर के जरिए जरूरी ब्यौरा व दस्तावेज जमा करने की इजाजत नहीं देता है, जिससे उन्हें उनके वोटिंग अधिकार से वंचित किया जा रहा है। विश्वास ने कहा कि जब हमने यह बात सीईओ को बताई, तो अग्रवाल ने कहा कि वह शिकायत दिल्ली भेज रहे हैं। उन्होंने पूछा कि तो फिर आयोग के अधिकारियों को लाखों की संख्या में हटाए गए वोटरों का इतना बड़ा आंकड़ा कैसे मिला? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर से संबंधित मामलों की सुनवाई की तारीख मनमाने ढंग से बदल दी गई। उन्होंने दावा किया कि शुरुआत में एक खास तारीख तय की गई थी, जिसे बाद में 27 दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया। अब सुनवाई की प्रक्रिया पूरी करने के लिए सिर्फ पांच दिन दिए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि इतनी जल्दबाजी क्यों? उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और सीईओ का कार्यालय भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। विश्वास ने मांग की कि पारदर्शिता के लिए तृणमूल की चुनाव आयोग को लिखी गई चिट्ठी और उन अनमैप्ड मतदाताओं का विवरण, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, उन्हें आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई तृणमूल पार्षदों और उनके रिश्तेदारों सहित जनता के प्रतिनिधियों के नाम मनमाने ढंग से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। वहीं, वरिष्ठ मंत्री मानस भुइयां ने कहा कि मैंने पिछले 41 चुनाव देखे हैं, लेकिन संविधान को इस तरह से कुचला जाते कभी नहीं देखा।

Notice

SACHIN SINGH
8, M.C. Ghosh Lane,
Howrah-711101.

Respected Sir,
I, the chairperson of "POOR HUMAN TRUST" state that several time we are trying to calling you to attend our valuable meeting called by the members of our trust but every time you neglect to come in the meeting and give us some different reason up to till date you neither come to meet us nor attend any meeting as a member of trust.
Therefore we all the member of the trust after several discussion jointly passed a resolution on this day of 2025 to take an immediate action against you to remove from our trust as defined in page No. 9 of the deed of trust and all the trustee member hereby remove you from the trust.
Please be it not that you are no longer member of our Trust.

Thanking You
Yours Faithfully
POOR HUMAN TRUST

1 जनवरी, 2026 से प्रभावी समय-सारणी में शामिल नई ट्रेनों, ट्रेनों की यात्रा का विस्तार, नियमितकरण, ट्रेनों की समय-सूची में परिवर्तन आदि का विवरण नीचे उल्लेखित है:

1) ट्रेनों की यात्रा का विस्तार:

क. ईएमयू: पंद्रह ईएमयू ट्रेनों की यात्रा नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार विस्तारित की जाएगी:

क्रम सं.	ट्रेन सं.एवं नाम	जहां तक विस्तार की जाएगी
1.	37359 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
2.	37365 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
3.	37367 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
4.	37369 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
5.	37341 हावड़ा-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
6.	37385 तारकेश्वर-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
7.	37396 आरामबाग-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
8.	37398 आरामबाग-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
9.	37386 आरामबाग-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
10.	37354 तारकेश्वर-हावड़ा ईएमयू	गोघाट
11.	37360 आरामबाग-हावड़ा ईएमयू	गोघाट
12.	37366 आरामबाग-हावड़ा ईएमयू	गोघाट
13.	31635 सियालदह-रानाघाट ईएमयू	शांतिपुर
14.	30113 बी.बी.डी. बाग-बैरकपुर ईएमयू	कल्याणी
15.	31242 बैरकपुर-सियालदह ईएमयू	कल्याणी

ख. पैसेंजर: दो पैसेंजर ट्रेनों के यात्रा पथ को नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार विस्तारित किया जाएगा:-

क्र. सं.	ट्रेन सं. एवं नाम	जहां तक विस्तार की जाएगी
1.	63063 बर्द्धमान-तीनपहाड़ एमईएमयू पैसेंजर	साहिबगंज
2.	63064 तीनपहाड़-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	साहिबगंज

2) ईएमयू ट्रेनों के फेरे में बदलाव:

क्र. सं.	ट्रेन सं. एवं नाम	वर्तमान यात्रा	संशोधित यात्रा	टिप्पणी
1.	33318 हासनाबाद-बारासात ईएमयू	सप्ताह में 6 दिन	प्रतिदिन	फेरे में वृद्धि
2.	33321 बारासात-हासनाबाद ईएमयू	सप्ताह में 6 दिन	प्रतिदिन	
3.	31223 सियालदह-बैरकपुर ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	फेरे में कटौती यानी रविवार छोड़कर
4.	30116 बैरकपुर-बी.बी.डी. बाग ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	
5.	30113 बी.बी.डी. बाग-बैरकपुर ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	
6.	31242 बैरकपुर-सियालदह ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	

3) समय-सारणी में महत्वपूर्ण परिवर्तन:

क. मेल/एक्सप्रेस

क्र. सं.	ट्रेन सं.	ट्रेन का नाम	वर्तमान समय-सूची	संशोधित समय-सूची
1.	13433	श्री एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु-मालदा टाउन-अमृत भारत एक्सप्रेस	मालदा टाउन आगमन: 11.00	मालदा टाउन आगमन: 09.15
2.	18620	गोड्डा-रांची एक्सप्रेस	गोड्डा प्रस्थान: 17.00	गोड्डा प्रस्थान: 16.05
3.	13125	कोलकाता-सायरंग एक्सप्रेस	कोलकाता प्रस्थान: 12.25 मालदा टाउन: 18.35/18.45	कोलकाता प्रस्थान: 10.45 मालदा टाउन: 16.50/17.00
4.	13403	रांची-भागलपुर वनांचल एक्सप्रेस	भागलपुर आगमन: 08.15	भागलपुर आगमन: 09.00
5.	15709	मालदा टाउन-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस	मालदा टाउन प्रस्थान: 16.50	मालदा टाउन प्रस्थान: 14.30
6.	19603	दौराई-गोड्डा एक्सप्रेस	गोड्डा आगमन: 22.20	गोड्डा आगमन: 22.00
7.	13177	सियालदह-जंगीपुर रोड एक्सप्रेस	जंगीपुर रोड आगमन: 12.05	जंगीपुर रोड आगमन: 11.55
8.	13015	हावड़ा-जमालपुर कविगुरु एक्सप्रेस	हावड़ा प्रस्थान: 11.05 जमालपुर आगमन: 21.35	हावड़ा प्रस्थान: 10.55 जमालपुर आगमन: 21.15
9.	15960	डिब्रुगढ़-हावड़ा कामरूप एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 21.50/22.00	मालदा टाउन: 22.00/22.10
10.	15962	डिब्रुगढ़-हावड़ा कामरूप एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 21.50/22.00	मालदा टाउन: 22.00/22.10
11.	18603	रांची-गोड्डा एक्सप्रेस	किऊल: 23.55/00.25	किऊल: 00.05/00.35
12.	18185	टाटानगर-गोड्डा एक्सप्रेस	किऊल: 23.55/00.25	किऊल: 00.05/00.35
13.	13190	बालूरघाट-सियालदह एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 21.30/21.40	मालदा टाउन: 21.40/21.50
14.	13030	मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस	हावड़ा आगमन: 03.35	हावड़ा आगमन: 03.25
15.	13034	कटिहार-हावड़ा एक्सप्रेस	हावड़ा आगमन: 02.50	हावड़ा आगमन: 02.40
16.	13180	सिउड़ी-सियालदह एमईएमयू एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 10.05	सियालदह आगमन: 09.57
17.	20501	अगरतला-आनंद विहार टर्मिनल राजधानी एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 15.00/15.10	मालदा टाउन: 15.10/15.20
18.	20507	सायरंग-आनंद विहार टर्मिनल राजधानी एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 15.00/15.10	मालदा टाउन: 15.10/15.20
19.	13334	पटना जंक्शन-दुमका एक्सप्रेस	दुमका आगमन: 13.30	दुमका आगमन: 13.25
20.	15620	कामाख्या-गया एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.05/20.15	मालदा टाउन: 20.10/20.20
21.	13160	जोगबनी-कोलकाता एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.05/20.15	मालदा टाउन: 20.10/20.20
22.	22504	डिब्रुगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.25/20.35	मालदा टाउन: 20.30/20.40
23.	12336	लोकमान्य तिलक टर्मिनस-भागलपुर एक्सप्रेस	भागलपुर आगमन: 18.00	भागलपुर आगमन: 17.55
24.	22947	सूरत-भागलपुर एक्सप्रेस	भागलपुर आगमन: 18.35	भागलपुर आगमन: 18.30
25.	15090	गोमतीनगर-गोड्डा एक्सप्रेस	गोड्डा आगमन: 11.20	गोड्डा आगमन: 11.15
26.	13415	मालदा टाउन-पटना जंक्शन एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.15	मालदा टाउन: 20.20
27.	13185	सियालदह-जयनगर गंगासागर एक्सप्रेस	सियालदह प्रस्थान: 17.45	सियालदह प्रस्थान: 17.50
28.	15959	हावड़ा-डिब्रुगढ़ कामरूप एक्सप्रेस	हावड़ा प्रस्थान: 18.30	हावड़ा प्रस्थान: 18.35
29.	15961	हावड़ा-डिब्रुगढ़ कामरूप एक्सप्रेस	हावड़ा प्रस्थान: 18.30	हावड़ा प्रस्थान: 18.35
30.	13005	हावड़ा-अमृतसर मेल	हावड़ा प्रस्थान: 19.15	हावड़ा प्रस्थान: 19.20
31.	12375	ताम्बरम-जसीडीह सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस	आसनसोल: 20.10/20.30	आसनसोल: 20.15/20.35
32.	13242	राजेन्द्र नगर टर्मिनल-बांका एक्सप्रेस	बांका आगमन: 06.40	बांका आगमन: 06.35
33.	13064	बालूरघाट-हावड़ा एक्सप्रेस	हावड़ा आगमन: 05.30	हावड़ा आगमन: 05.25
34.	12260	नई दिल्ली-सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 13.25	सियालदह आगमन: 13.30
35.	22202	पुरी-सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 04.05	सियालदह आगमन: 04.15
36.	12350	नई दिल्ली-गोड्डा हमसफर एक्सप्रेस	गोड्डा: 22.30	गोड्डा: 22.55
37.	13106	बलिया-सियालदह एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 02.05	सियालदह आगमन: 02.15
38.	13161	कोलकाता-बालूरघाट एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 18.50/19.00	मालदा टाउन: 18.55/19.05
39.	13466	मालदा टाउन-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस	मालदा टाउन प्रस्थान: 06.10	मालदा टाउन प्रस्थान: 06.05
40.	14050	दिल्ली-गोड्डा एक्सप्रेस	गोड्डा: 15.15	गोड्डा: 15.45
41.	13018	आजिमगंज-हावड़ा गणदेवता एक्सप्रेस	आजिमगंज प्रस्थान: 15.50 हावड़ा आगमन: 21.40	आजिमगंज प्रस्थान: 16.00 हावड़ा आगमन: 21.50
42.	13504	हटिया-बर्द्धमान एमईएमयू एक्सप्रेस	आसनसोल प्रस्थान: 18.30 बर्द्धमान आगमन: 20.35	आसनसोल प्रस्थान: 18.50 बर्द्धमान आगमन: 21.00
43.	15733	बालूरघाट-बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 19.25/19.35	मालदा टाउन: 19.20/19.30
44.	15743	बालूरघाट-बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 19.25/19.35	मालदा टाउन: 19.20/19.30

ख. पैसेंजर:

क्र. सं.	ट्रेन सं.	ट्रेन का नाम	वर्तमान समय-सूची		संशोधित समय-सूची	
			यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त	यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त
1	33832	बनगाँव-सियालदह ईएमयू	11.30	13.58	11.35	13.30
2	33531	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	19.30	21.48	19.24	21.23
3	31922	गेदे-सियलादह ईएमयू	14.02	16.58	14.10	16.50
4	64322	साहिबगंज-आजिमगंज एमईएमयू पैसेंजर	14.25	18.40	14.40	18.40
5	33439	सियालदह-बारासात ईएमयू	10.58	11.43	13.20	14.05
6	33521	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	11.07	13.10	10.58	13.10
7	33368	बनगाँव-दमदम कैण्टोंमेंट ईएमयू	07.41	09.16	07.15	08.54
8	33369	बारासात-बनगाँव ईएमयू	06.20	07.30	05.55	07.05
9	33422	मध्यमग्राम-सियालदह ईएमयू	08.52	09.35	08.37	09.20
10	73492	गोड्डा-दुमका डीईएमयू पैसेंजर	16.10	18.05	16.40	18.50
11	73483	दुमका-जसीडीह डीईएमयू पैसेंजर	18.30	19.55	19.15	20.40
12	63423	जमालपुर-किऊल एमईएमयू पैसेंजर	11.55	13.20	12.25	13.50
13	63063	बर्द्धमान-तीनपहाड़ (साहिबगंज) एमईएमयू पैसेंजर	06.20	11.30	06.05	12.35
14	73445	हंसडीहा-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	22.25	00.50	22.50	01.05
15	73446	भागलपुर-हंसडीहा डीईएमयू पैसेंजर	19.58	22.10	20.30	22.40
16	73491	दुमका-गोड्डा डीईएमयू पैसेंजर	13.35	15.45	14.25	16.02
17	73494	गोड्डा-दुमका डीईएमयू पैसेंजर	21.05	22.55	20.45	22.40
18	53403	रामपुरहाट-गया पैसेंजर	09.05	18.00/18.05	07.45	18.00/18.05
19	73444	भागलपुर-हंसडीहा डीईएमयू पैसेंजर	13.17	16.20	13.30	16.20
20	35042	अहमदपुर-कटवा ईएमयू	17.30	18.55	17.20	18.55
21	73429	भागलपुर-जमालपुर डीईएमयू पैसेंजर	12.58	15.40	13.05	15.40
22	34733	लक्ष्मीकांतपुर-सियालदह ईएमयू	11.30	13.17	11.35	13.15
23	34133	कोमागाता मारु बजबज-सियालदह ईएमयू	12.28	13.32	12.35	13.32
24	33851	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	19.24	21.24	19.30	21.24
25	63422	साहिबगंज-आजिमगंज एमईएमयू पैसेंजर	14.25	18.40	14.40	18.50
26	34533	कैनिंग-सियालदह ईएमयू	13.10	14.40	13.15	14.40
27	34839	डॉयमण्ड हार्बर-सियालदह ईएमयू	14.00	16.00	14.05	16.00
28	63431	साहिबगंज-जमालपुर एमईएमयू पैसेंजर	07.10	11.45	07.20	11.50
29	53416	जमालपुर-साहिबगंज पैसेजर	07.00	11.05	07.05	11.05
30	35041	कटवा-अहमदपुर ईएमयू	15.50	17.15	15.50	17.10
31	53496	राजमहल-तीनपहाड़ पैसेंजर	22.20	22.45	22.15	22.40
32	63075	रामपुरहाट-बरहड़वा एमईएमयू पैसेंजर	23.10	01.00	23.40	01.25
33	53444	देवघर-गोड्डा पैसेंजर	10.45	12.40	10.40	12.30
34	37922	कटवा-हावड़ा ईएमयू	10.36	14.10	10.50	14.20
35	31526	शांतिपुर-सियालदह ईएमयू	13.12	15.32	13.15	15.32
36	33811	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	05.02	03.15	04.57	03.10
37	53092	आजिगंज-कृष्णनगर सिटी जंक्शन पैसेंजर	16.10	18.30	16.00	18.20
38	34357	कैनिंग-सोनारपुर ईएमयू	16.45	17.27	16.55	17.37
39	63057	काशिमबाजार-आजिमगंज एमईएमयू	22.03	22.22	22.10	22.29
40	34714	सियालदह-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	04.30	06.00	04.50	06.20
41	34935	नामखाना-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	03.15	04.06	03.10	04.01
42	34745	लक्ष्मीकांतपुर-सियालदह ईएमयू	18.10	19.44	18.05	19.40
43	34638	सियालदह-बारुईपुर ईएमयू	16.18	17.02	16.15	16.59
44	30416	सियालदह-बीबीडी बाग ईएमयू	17.08	17.58	17.20	18.10
45	30331	माझेरहाट-हाबरा ईएमयू	17.48	19.42	17.35	19.38
46	34413	सोनारपुर-सियालदह ईएमयू	07.20	07.54	07.26	08.00
47	34427	सोनारपुर-सियालदह ईएमयू	17.43	18.18	17.39	18.14
48	34432	सियालदह-सोनारपर ईएमयू	17.20	17.48	17.14	17.42
49	33532	हासनाबाद-सियालदह ईएमयू	16.56	18.59	17.08	19.13
50	37742	कटवा-बैण्डेल ईएमयू	04.22	06.35	04.16	06.30
51	37744	कटवा-बैण्डेल ईएमयू	08.50	11.00	08.55	11.05
52	33366	बनगाँव-बारासात ईएमयू	22.10	23.20	22.22	23.31
53	33534	हासनाबाद-सियालदह ईएमयू	17.53	19.57	17.26	19.35
54	73443	हंसडीहा-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	16.30	18.55	16.35	19.00
55	73402	भागलपुर-गोड्डा डीईएमयू पैसेंजर	11.05	14.08	11.00	14.03
56	34854	सियालदह-डॉयमण्ड हार्बर ईएमयू	21.10	22.49	21.00	22.39
57	34748	सियालदह-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	21.00	22.38	21.10	22.48
58	34517	कैनिंग-सियालदह ईएमयू	06.00	07.17	05.49	07.08
59	34817	डॉयमण्ड हार्बर-सियालदह ईएमयू	05.30	07.08	05.41	07.17
60	31927	सियालदह-गेदे ईएमयू	20.32	23.20	20.45	23.33
61	31537	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	20.45	23.03	20.32	22.50
62	31516	शांतिपुर-सियालदह ईएमयू	05.42	08.00	05.55	08.13
63	31914	गेदे-सियालदह ईएमयू	05.02	07.50	05.10	07.50
64	31614	रानाघाट-सियालदह ईएमयू	06.05	07.50	05.55	07.37
65	34791	सियालदह-नामखाना ईएमयू	04.12	06.50	04.07	06.50
66	34914	लक्ष्मीकांतपुर-नामखाना ईएमयू	04.12	05.10	04.07	05.03
67	34937	नामखाना-काकद्वीप ईएमयू	04.39	04.50	04.35	04.46
68	34981	काकद्वीप-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	05.00	05.42	04.50	05.32
69	34882	सोनारपुर-डॉयमण्ड हार्बर ईएमयू	04.50	05.55	04.40	05.45
70	33436	बारासात-सियालदह ईएमयू	10.40	11.27	10.45	11.32
71	63103	सियालदह-लालागोला एमईएमयू पैसेंजर	19.20	23.55	19.15	23.55
72	31533	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	18.50	21.10	18.55	21.15
73	33802	बनगाँव-सियालदह ईएमयू	07.15	09.15	07.05	09.10
74	33401	सियालदह-बारासात ईएमयू	18.14	18.58	18.30	19.14
75	33891	दमदम कैण्टोंमेंट-बनगाँव ईएमयू	18.26	20.08	18.37	20.19
76	33370	बनगाँव-बारासात ईएमयू	20.20	21.26	20.30	21.45
77	33854	बनगाँव-सियालदह ईएमयू	20.40	22.40	20.52	22.49
78	33714	बनगाँव-रानाघाट ईएमयू	06.12	06.55	06.05	06.43
79	33713	रानाघाट-बनगाँव ईएमयू	06.15	07.01	06.00	06.51
80	33716	बनगाँव-रानाघाट ईएमयू	07.20	08.05	07.07	08.05
81	34538	सियालदह-कैनिंग ईएमयू	17.14	18.30	17.08	18.24
82	53011	कटवा-आजिमगंज पैसेंजर	13.55	15.40	13.45	15.30
83	53055	कटवा-अहमदपुर पैसेंजर	08.20	09.55	08.40	10.15
84	63531	अंडाल-सैंथिया एमईएमयू पैसेंजर	08.25	10.05	08.20	10.10
85	63534	सैंथिया-अंडाल एमईएमयू पैसेंजर	10.40	12.20	10.30	12.20
86	63536	सैंथिया-अंडाल एमईएमयू पैसेंजर	16.25	18.05	16.20	18.10
87	63508	आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	05.45	07.50	05.40	07.50
88	63512	आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	06.20	08.35	06.15	08.35
89	53443	गोड्डा-देवघर पैसेंजर	13.15	15.05	13.00	15.00
90	63545	अंडाल-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	06.30	10.20	06.20	10.15
91	63547	जसीडीह-बांका एमईएमयू पैसेंजर	10.30	12.05	10.25	12.05
92	63505	बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू पैसेंजर	03.55	06.00	03.40	05.40
93	63510	झाझा-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	16.55	19.05	16.50	19.05
94	63516	आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	10.20	12.30	10.15	12.35
95	63565	जसीडीह-झाझा एमईएमयू पैसेंजर	10.05	11.10	10.00	11.05
96	63573	जसीडीह-किऊल एमईएमयू पैसेंजर	11.05	12.15	10.55	12.15
97	63566	झाझा-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	11.30	12.30	11.25	12.25
98	53404	गया-जमालपुर पैसेंजर	11.05/10	12.30	10.50/55	12.25
99	73411	गोड्डा-हंसडीहा डीईएमयू पैसेंजर	17.20	18.00	17.15	18.00
100	73430	जमालपुर-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	10.50	12.25	11.30	13.05
101	73441	हंसडीहा-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	10.28	12.43	10.20	12.43
102	73448	भागलपुर-बांका डीईएमयू पैसेंजर	17.05	18.50	17.02	18.55
103	73449	बांका-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	10.20	12.10	10.15	12.10
104	63142	गोड्डा-सियालदह एमईएमयू पैसेंजर	09.50	18.35	09.45	18.35
105	63151	जसीडीह-बैद्यनाथ धाम एमईएमयू पैसेंजर	05:20	05:40	05:25	05:45
106	63155	जसीडीह-बैद्यनाथ धाम एमईएमयू पैसेंजर	10:00	10:20	09:55	10:15
107	63157	जसीडीह-बैद्यनाथ धाम एमईएमयू पैसेंजर	12:35	12:55	12:30	12:50
108	63154	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	09:30	09:50	09:20	09:40
109	63156	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	10:35	10:55	10:30	10:50
110	63158	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	13:30	13:50	13:10	13:30
111	63162	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	16:55	17:15	17:00	17:20
112	63164	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	18:40	19:00	18:35	18:55
113	63168	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	23:30	23:50	23:25	23:45
114	31819	सियालदह-कृष्णनगर सिटी जं. गैलपिंग ईएमयू	07.53	10.10	07.52	10.10
115	31415	सियालदह-नैहाटी ईएमयू	07.52	08.55	07.57	08.57
116	31617	सियालदह-रानाघाट ईएमयू	08.00	09.48	08.07	09.54
117	31531	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	17.52	20.00	17.50	20.00
118	31417	सियालदह-नैहाटी ईएमयू	09.34	10.34	09.39	10.39
119	31229	सियालदह-बैरकपुर ईएमयू	09.40	10.18	09.44	10.22
120	31411	सियालदह-नैहाटी गैलपिंग ईएमयू	04.40	05.40	04.35	05.30
121	31511	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	04.35	06.55	04.40	06.55
122	33517	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	08.22	10.25	08.20	10.25
123	31228	बैरकपुर-सियालदह ईएमयू	10.30	11.12	10.36	11.20
124	33533	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	22.15	00.24	22.20	00.24
125	32413	सियालदह-बारुईपाड़ा ईएमयू	20.42	21.50	20.40	22.00
126	31111	सियालदह-कटवा ईएमयू	08.06	11.40	08.05	11.40
127	33863	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	23.50	01.45	23.58	01.53
128	63111	सियालदह-रानाघाट ईएमयू	23.50	01.38	23.58	01.46
129	32233	सियालदह-डानकुनी ईएमयू	12.14	12.57	12.13	12.58
130	34155	कोमागाता मारु बजबज-सियालदह ईएमयू	20.15	21.08	20.20	21.17
131	33833	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	13.53	15.48	14.05	16.00
132	33895	सियालदह-ठाकुरनगर ईएमयू	15.34	17.02	15.52	17.20
133	33316	हासनाबाद-बारासात ईएमयू	19.41	20.58	19.30	20.45

अगले पृष्ठ पर जारी

न्यूज ब्रीफ

आरपीएफ ने ईमानदारी की मिसाल कायम करते हुए 4.97 लाख का सामान यात्रियों को लौटाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने यात्रियों का छूटा हुआ एवं लावारिस सामान बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाया, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 4.97 लाख आंकी गई है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, 25 दिसंबर को हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदह मंडलों के आरपीएफ कर्मियों ने विभिन्न ट्रेनों और रेलवे परिसरों से खोया हुआ सामान बरामद किया। बरामद वस्तुओं में दो पर्स, एक मोबाइल फोन, एक गिटार तथा 20 बैग शामिल हैं। इन बैगों में लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल फोन, कपड़े, महत्वपूर्ण दस्तावेज, कलाई घड़ियां, कॉस्मेटिक सामग्री, दवाइयां और 42,005 नकद सहित अन्य कीमती सामान पाए गए। यह बरामदगी हावड़ा, बंडेल, रामपुरहाट, अंबिका कलना, सियालदह, बनगांव, कोलकाता, दमदम, नैहाटी, जसीडीह और दुर्गापुर रेलवे स्टेशनों के परिसरों से की गई। सभी बरामद वस्तुओं को नियमानुसार सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद संबंधित यात्रियों को सौंप दिया गया। उल्लेखनीय है कि, बनगांव के आरपीएफ ने लगभग 2.50 लाख मूल्य का सामान युक्त एक बैग बरामद किया, जबकि दमदम के आरपीएफ द्वारा लगभग 70,000 मूल्य का सामान बरामद किया गया।

भाजपा कार्यकर्ता की गिरफ्तारी तृणमूल-प्रायोजित राजनीतिक षड्यंत्र : शुभेंदु अधिकारी

❑ नंदीग्राम में भाजपा कार्यकर्ता की गिरफ्तारी पर थाने पहुंचकर बोले नेता प्रतिपक्ष

पूर्व मेदिनीपुर : विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार की सुबह अचानक नंदीग्राम थाने पहुंचकर एक भाजपा कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। उन्होंने राज्य पुलिस पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर काम करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था अब निष्पक्ष न रहकर राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार बन चुकी है। शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि

भाजपा कार्यकर्ताओं को झूठे मामलों में फंसाने की साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसका जवाब पूरी तरह लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक तरीके से दिया जाएगा। दरअसल, शुक्रवार को पुलिस ने नंदीग्राम ब्लॉक-1 के भकुटिया गांव से भाजपा मंडल अध्यक्ष के भाई को गिरफ्तार किया। आरोप है कि गत गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के प्रचार टैब्लो (टोटो) में कथित तोड़फोड़ की गई और सरकारी विकास योजनाओं से जुड़े फ्लेक्स फाड़ दिए गए। तृणमूल कार्यकर्ताओं की शिकायत के महज 24 घंटे के भीतर हुई इस कार्रवाई ने पुलिस की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष के नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि संबंधित टोटो पानी में गिरने से क्षतिग्रस्त हुआ था, लेकिन इस दुर्घटना को जानबूझकर तोड़फोड़ का रूप देकर भाजपा को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि किस कानून के तहत सादे लिबास में किसी कार्यकर्ता को उसके घर से उठाया गया? शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की अवैध हरकतों को तुरंत बंद किया जाए। झूठे आरोप लगाकर भाजपा कार्यकर्ताओं को दबाया नहीं जा सकता। हम इस घटना के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और अंत तक लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने दो टूक कहा कि झूठे मामलों में की जा रही गिरफ्तारियां न तो भाजपा स्वीकार करेगी और न ही बंगाल की जनता। साथ ही, उन्होंने दावा किया कि अप्रैल के बाद दीदी बंगाल की मुख्यमंत्री नहीं रहेंगी।

जगाच्छा में पांच कुत्तों के पिल्लों की जिंदा जलाकर हत्या

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के जगाच्छा इलाके में शुक्रवार शाम एक अमानवीय घटना सामने आई है। जहां सड़क पर रहने वाले एक कुत्ते के पांच पिल्लों को जिंदा जलाकर मार दिए जाने का आरोप लगाया गया है। इस नृशंस घटना की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों के साथ-साथ पशु-प्रेमी संगठनों में भी भारी आक्रोश देखा गया। लोग दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, चार दिन पहले जगाच्छा थाना क्षेत्र के हाटपुकुर इलाके में एक आवारा कुतिया ने कई पिल्लों को जन्म दिया था। ये पिल्ले इलाके के एक स्थानीय क्लब के पास रह रहे थे। आरोप है कि शुक्रवार शाम करीब चार बजे अज्ञात लोगों ने सोते समय इन मासूम पिल्लों को जिंदा जला दिया। घटना की सूचना मिलते ही पशु-प्रेमी संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने घटनास्थल से आग से झुलसे पिल्लों के शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। इस दिल दहला देने वाली घटना से पूरे इलाके में शोक और गुस्से का माहौल है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है। जगाच्छा थाना की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

महिलाएं लाजवन्ती हों : क्षमाराम महाराज

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा सत्संग समिति द्वारा फोरशोर रोड स्थित लक्ष्मी विलास गार्डन में रामचरितमानस के सामूहिक पाठ के पंचम दिवस सिंहस्थल पीठाधीश्वर महंत क्षमाराम महाराज ने पाठ से पूर्व सार बताते हुए कहा कि पतिव्रता स्त्रियां जब अपने पति का परिचय देती हैं तो उन्हें गौरवबोध होता है। यही गौरवबोध सीता को हो रहा है जब वह ग्रामीण महिलाओं के पूछने पर बताती हैं। वह कहती हैं जो गोरे रंग के हैं, वे मेरे छोटे देवर हैं। सीता राम की ओर मुस्कुराती हुई मधुर भाव से घूंघट से बोली वे मेरे अपने हैं। सीता के इस लहजे-कायदे (सुसंस्कार) को देखकर गांव की अनपढ़ महिलाएं प्रसन्न हो गईं। गांव की अनपढ़ महिलाओं में संस्कृति और कायदे की पहचान होती है। आजकल तो पढ़ी-लिखी महिलाओं की बात ही निराली है। धर्म पालन से बड़ी शान्ति मिलती है। ब्रह्मलीन स्वामी रामसुखदास महाराज कहते थे कि

शास्त्रों में धर्म की बातें लिखी गई हैं उसका पालन करने से मनुष्य का कल्याण होता है। भगवान राम स्वयं धर्म का पालन करते हैं। यह मर्यादा की बात है कि राम वाल्मीकि के आश्रम में पहुंचते हैं और उनसे पूछते हैं कि वनवास के समय मैं कहां रहूं? वाल्मीकिजी कहते हैं, हे राम!आप ब्रह्म हैं, सीताजी माया और लक्ष्मण शेषनाग हैं। देवताओं के लिए आप अवतार लेकर आए हैं। लीला करने के लिए पूछ रहे हैं तो चित्रकूट में निवास करें। इधर, भरतजी अयोध्या आते हैं तो दुखद समाचार पाकर दुखी हो जाते हैं। भरत गुरुदेव वशिष्ठ से कहते हैं राम दर्शन किए बिना मैं जीवित नहीं रह सकता। भरत के सुझाव पर सभी लोग चित्रकूट की यात्रा पर चल पड़े। जैसे ही निषादराज को पता चला कि भरत राम को मारने के लिए आ रहे हैं तो सभी अपने लोगों को बुलाकर भरत के विरोध में युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा। निषादराज की इस विरोध प्रदर्शन में विवेक था कि मेरे रहते राम को कोई कुछ नहीं कर सकता। विरोध प्रदर्शन के साथ विवेक होना चाहिए। आजकल कई लोग संसद के सामने नाहक विरोध प्रदर्शन में जुट जाते हैं। विरोध,सृजनात्मक होना चाहिए। सामूहिक पाठ का आयोजन मनमोहन मल्ल एवं पवन पचेरिया के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर पुरुषोत्तम पचेरिया, हरि भगवान तापडिया, अरुण पचेरिया, मदनमोहन मल्ल, संजय पचेरिया, सांवरमल अग्रवाल की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सूचना प्रसारण महावीर प्रसाद रावत ने किया।

न्यूज अपडेट

भाजपा विधायक को जान से मारने की मिली धमकी, शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : लोक गायक से नेता बने और नदिया जिले की हरिणघाटा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक असीम कुमार सरकार ने शनिवार को अपनी जान को खतरा होने का दावा करते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में, असीम सरकार ने दावा किया कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। चकदह थाने में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में, असीम सरकार ने जांच अधिकारियों को दो मोबाइल नंबर भी दिए हैं जिनसे उन्हें ऐसी जान से मारने की धमकी वाली कॉल आ रही थीं। उन्होंने पुलिस से कॉल करने वालों की जल्द से जल्द पहचान करने और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया था।

बिनायक एन्क्लेव के सामने जलजमाव की समस्या के समाधान हेतु क्षेत्रीय निरीक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : बरानगर के काली चरण घोष रोड स्थित बिनायक एन्क्लेव के सामने लंबे समय से बनी जलजमाव की गंभीर समस्या के समाधान की दिशा में नगर प्रशासन ने पहल की है। यह समस्या नई नहीं है, बल्कि वर्षों से क्षेत्रवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। काली चरण घोष रोड के दोनों ओर घनी आबादी वाला इलाका है, जहां विभिन्न वर्गों के लोग निवास करते हैं। क्षेत्र अन्य सुविधाओं से युक्त होने के बावजूद वर्षाकाल में जलजमाव के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बिनायक एन्क्लेव के मुख्य द्वार के सामने का इलाका हल्की बारिश में भी तालाब या नदी का रूप ले लेता है, जिससे आवागमन बाधित हो जाता है और निवासियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से न केवल बिनायक एन्क्लेव के निवासी, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोग भी प्रभावित होते हैं। समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में हाल ही में बरानगर नगर पालिका के बोरो चेयरमैन तरुण साहा, उपाध्यक्ष दिलीप नारायण बसु और स्थानीय काउंसिलर काकली सेन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान को लेकर विचार-विमर्श किया। नगर पालिका के अधिकारियों ने समस्या के तकनीकी समाधान के लिए इंजीनियरों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष दिलीप नारायण बसु ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

पूर्व रेलवे में कोचिंग टर्मिनलों के विस्तार पर जोर, रेलवे नेटवर्क होगा मजबूत

❑ 2030 तक प्रमुख शहरों में ट्रेनों की संचालन क्षमता दोगुनी करने का लक्ष्य

कोलकाता, समाज्ञा : देशभर में रेल यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों के विस्तार की दिशा में ठोस कदम उठाने की घोषणा की है। इस संबंध में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और भीड़भाड़ को कम करने के उद्देश्य से प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे रेलवे नेटवर्क का आधुनिकीकरण होगा और देशभर में कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। जानकारी के अनुसार, अगले पांच वर्षों में प्रमुख शहरों से नई ट्रेनों की शुरुआत की क्षमता को मौजूदा स्तर से दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत वर्ष 2030 तक मौजूदा टर्मिनलों पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइन, पिट लाइन और शंटिंग सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में नए टर्मिनलों की पहचान और निर्माण, मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित आधुनिक रखरखाव सुविधाओं की स्थापना तथा सिग्नलिंग उन्नयन और मल्टीट्रैकिंग जैसे कार्यों को भी शामिल किया गया है। पूर्व रेलवे के अंतर्गत कोलकाता और भागलपुर को इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए चिन्हित किया गया है। कोलकाता शहर में हावड़ा और सियालदह टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सियालदह मंडल में लाइन और यार्ड सुधार के तहत बुडगोला, बेलघरिया, कल्याणी, बनगांव, कैनिंग और डायमंड हार्बर सहित कई स्टेशनों पर नई स्टेबलिंग लाइन और लूप लाइन जोड़ी जाएंगी। इसके अलावा, राणाघाट-बनगांव सेक्शन का दोहरीकरण, राणाघाट-कृष्णनगर तथा कल्याणी-राणाघाट के बीच तीसरी लाइन का निर्माण प्रस्तावित है। कई महत्वपूर्ण सेक्शनों में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली लागू की जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं से ट्रेनों के संचालन में सुधार, भीड़भाड़ में कमी, समयपालन में वृद्धि और भविष्य की यात्री मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही, कोलकाता में वंदे भारत ट्रेनों के लिए समर्पित स्टेबलिंग, रखरखाव और मरम्मत सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं, जिससे सेवाएं और अधिक सुरक्षित व विश्वसनीय बनेंगी।

समर्पण ट्रस्ट की पहल, प्राकृतिक चिकित्सा शिविर से प्रकृति की ओर लौटने का संदेश

कोलकाता, समाज्ञा : समाज में स्वास्थ्य, संतुलन और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समर्पण ट्रस्ट द्वारा साल्ट लेक, कोलकाता में आयोजित द्विदिवसीय प्राकृतिक चिकित्सीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जनहित की भावना से प्रेरित इस शिविर में 72 से अधिक लोगों ने प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श का लाभ लिया। शिविर का विधिवत उद्घाटन सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य, नाड़ी एवं कायचिकित्सा विशेषज्ञ तथा पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के मानद चिकित्सक डॉ. पीयूष द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में अरुण भुवालका प्रधान अतिथि, महावीर बंका मुख्य अतिथि तथा सुरेंद्र कुमार अग्रवाल और अक्षय बिंजराजका विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर में कोनिजेती रोसैया गवर्नमेंट नेचर क्योर हॉस्पिटल, हैदराबाद के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

डॉ. लक्ष्मण पल्ले अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ मौजूद रहे। उनके मार्गदर्शन में दो दिनों के दौरान किशोर पंसारी, महेश पंसारी, हंसराज बामलवा, मनोज गुप्ता, आशु सिंह, श्याम लाल अग्रवाल सहित कुल 72 नागरिकों का प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श किया गया। इस अवसर पर डॉ. पल्ले ने कहा कि भागदौड़ भरी जीवनशैली में यदि व्यक्ति प्रकृति के अनुरूप जीवन अपनाए, तो कई समस्याओं से बचा जा सकता है।

शिविर के दौरान समर्पण ट्रस्ट के सभापति दिनेश बजाज ने डॉ. लक्ष्मण पल्ले और उनकी टीम को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकरलाल अग्रवाल ने कहा कि एलोपैथी से निराश कई रोगी अब प्राकृतिक चिकित्सा की ओर रुख कर रहे हैं, जो समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है। कार्यकारी अध्यक्ष निरंजन अग्रवाल ने स्वस्थ और निरोग जीवन के लिए प्रकृति की शरण को आवश्यक बताया। वहीं, उपाध्यक्ष अभिषेक शरद ने इसे ट्रस्ट की जनकल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण बताया। ट्रस्ट के महासचिव प्रदीप ढेडिया ने आगामी समर्पण सम्मान समारोह 2026 की जानकारी दी और बताया कि डॉ. पल्ले की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भविष्य में उनके नेतृत्व में पुनः शिविर आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन संबोधन में डॉ. पीयूष द्विवेदी ने कहा कि एक्यूपंचर को आयुर्वेद में मर्म चिकित्सा कहा जाता है और संतुलित व सकारात्मक जीवनशैली के लिए आयुर्वेद व नेचुर-ोपैथी आज के समय में अत्यंत उपयोगी हैं। विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र अग्रवाल ने डॉ. पल्ले के सेवा और समर्पण की सराहना की।

कार्यक्रम में पंकज भालोटिया ने स्वागत वक्तव्य दिया, जबकि प्रीति ढेडिया ने ट्रस्ट की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयप्रकाश मिश्र ने किया और धन्यवाद ज्ञापन संजय जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। शिविर का संपूर्ण प्रबंधन आनंद इवेंट्स द्वारा किया गया।

शिविर को सफल बनाने में सोमनाथ अडुकिया, अभ्युदय दुगड़, महेश भुवालका, अशोक ढेडिया, गणेश अग्रवाल, मनीष बजाज, आनंद अमन ढेडिया, पवन खेतान, अभिषेक गुप्ता सहित अनेक लोगों का सक्रिय सहयोग रहा। समर्पण ट्रस्ट की यह पहल समाज में प्रकृति-आधारित स्वस्थ जीवनशैली के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रतीक बनी।

पिछले पृष्ठ का शेषांश

क्र. सं.	ट्रेन सं.	ट्रेन का नाम	वर्तमान समय-सूची		संशोधित समय-सूची	
			यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त	यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त
134	33319	बारासात-हासनाबाद ईएमयू	18.10	19.32	17.59	19.20
135	63521	बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू पैसेंजर	15.57	17.55	15.30	17.45
136	63519	बर्द्धमान-बोकारो स्टील सिटी एमईएमयू पैसेंजर	15.30	17.45/18.00	15.57	18.15/18.25
137	63543	आसनसोल-एनएससी बोस जं. गोमो एमईएमयू पैसेंजर	18.10	19.12/19.13	18.00	19.12/19.13
138	32414	बारुईपाड़ा-सियालदह ईएमयू	22.48	23.50	22.35	23.40
139	33320	हासनाबाद-बारासात ईएमयू	22.24	23.40	22.14	23.30
140	36817	हावड़ा-चंदनपुर ईएमयू	07.08	09.12	07.15	09.30
141	36841	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	18.35	20.45	18.30	20.45
142	36845	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	19.45	21.54	19.40	21.50
143	36849	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	21.00	23.05	21.10	23.25
144	36827	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	12.05	14.13	12.00	14.10
145	36829	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	13.27	15.40	13.20	15.40
146	36088	मसाग्राम-हावड़ा ईएमयू	22.06	23.40	21.42	23.30
147	37232	बैण्डेल-हावड़ा ईएमयू	08.52	09.55	08.48	09.55
148	37612	पांडुआ-हावड़ा ईएमयू	08.55	10.15	09.00	10.22
149	37214	बैण्डेल-हावड़ा ईएमयू	03.50	04.50	03.30	04.35
150	37213	हावड़ा-बैण्डेल ईएमयू	05.14	06.15	05.05	06.08
151	37359	हावड़ा-आरामबाग-गोघाट ईएमयू	05.19	07.40	05.10	08.00
152	37815	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया मेन	05.25	07.37	05.15	07.37
153	37911	हावड़ा-कटवा ईएमयू	05.30	08.35	05.22	08.30
154	37353	हावड़ा-तारकेश्वर ईएमयू	05.35	07.13	05.30	07.10
155	37311	हावड़ा-तारकेश्वर ईएमयू	05.55	07.25	05.48	07.25
156	37340	तारकेश्वर-हावड़ा ईएमयू	16.21	17.46	16.32	18.07
157	37532	बैण्डेल-नैहाटी ईएमयू	09.12	09.32	09.08	09.30
158	37263	हावड़ा-बैण्डेल ईएमयू	17.47	18.46	17.47	18.56
159	37747	बैण्डेल-कटवा ईएमयू	08.10	10.20	08.15	10.29
160	32212	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	05.03	05.45	05.00	05.45
161	32218	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	07.02	07.46	07.00	07.46
162	32220	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	07.45	08.32	07.42	08.32
163	32222	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	08.43	09.28	08.40	09.28
164	32226	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	09.50	10.35	09.47	10.35
165	32230	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	11.21	12.06	11.18	12.06
166	32232	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	11.54	12.42	11.51	12.42
167	32234	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	13.10	14.05	13.07	14.00
168	32236	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	14.20	15.05	14.17	15.05
169	03037 (63043)	कटवा-अहमदपुर एमईएमयू पैसेंजर	06.35	08.00	07.05	08.25
170	37546	बैण्डेल-नैहाटी ईएमयू	16.50	17.10	16.45	17.05
171	73420	भागलपुर-साहिबगंज डीईएमयू पैसेंजर	11.10	13.10	10.55	12.55

क्र. सं.	ट्रेन सं.	ट्रेन का नाम	वर्तमान समय-सूची		संशोधित समय-सूची	
			यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त	यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त
172	31519	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	10.32	12.50	13.40	12.56
173	37916	कटवा-हावड़ा ईएमयू	06.20	09.25	06.15	09.25
174	63023	आजीमगंज-रामपुरहाट एमईएमयू	06.00	07.40	06.15	08.10
175	63008	रामपुरहाट-कटवा एमईएमयू पैसेंजर	08.55	12.34	08.30	12.25
176	35014	कटवा-बर्धमान ईएमयू	07.25	08.45	07.20	08.45
177	37308	हरिपाल-हावड़ा ईएमयू	08.28	09.42	08.25	09.40
178	53015	कटवा-आजीमगंज पैसेंजर	17.10	18.55	17.25	19.10
179	63013	कटवा-आजीमगंज एमईएमयू पैसेंजर	15.50	17.35	16.05	17.50
180	37385	तारकेश्वर-आरामबाग-गोघाट ईएमयू	03.57	04.35	03.40	04.32
181	63069	बर्द्धमान-रामपुरहाट एमईएमयू पैसेंजर	20.45	23.00	20.52	23.25
182	37818	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	05.42	08.08	05.40	08.12
183	37820	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	06.18	08.36	06.10	08.31
184	37782	बर्द्धमान-बैण्डेल ईएमयू	06.45	08.00	06.55	08.12
185	37824	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	07.00	09.15	07.15	09.40
186	37828	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	08.22	10.38	08.20	10.40
187	37830	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	08.46	11.05	08.50	11.10
188	37832	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	09.57	12.40	09.55	12.40
189	31152	बर्द्धमान-सियालदह ईएमयू	14.45	17.40	14.40	17.40
190	37840	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	15.05	17.25	15.10	17.37
191	37784	बर्द्धमान-बैण्डेल ईएमयू	21.00	22.20	21.10	22.30
192	36814	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	03.58	06.10	03.55	06.10
193	36816	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	05.04	07.10	04.55	07.10
194	36818	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	05.40	07.45	05.30	07.45
195	36820	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	06.05	08.15	06.00	08.10
196	36822	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	06.48	08.57	06.40	08.55
197	36824	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	07.22	09.25	07.05	09.10
198	36826	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	07.32	09.35	07.30	09.35
199	37822	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	06.40	08.35	06.35	08.30
200	37852	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	19.55	22.15	19.50	22.10
201	36854	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	20.07	22.10	20.00	22.05
202	36856	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	20.20	22.25	20.30	22.35
203	36858	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	20.43	22.45	21.00	23.10
204	37914	कटवा-हावड़ा ईएमयू	05.40	08.48	05.35	08.45
205	37918	कटवा-हावड़ा ईएमयू	07.00	10.20	06.55	10.10

मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर ट्रेनों और उपनगरीय ट्रेनों की समय सारणी में परिवर्तन किया गया है और इसे एनटीईएस पर अपडेट किया जा रहा है, जो **दिनांक 01.01.2026** से प्रभावी होगा। अन्य ट्रेनों (मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर ट्रेनों और उपनगरीय ट्रेनों) की समय-सूची में छोटे-मोटे परिवर्तन भी एनटीईएस पर दिखेंगे, जो **दिनांक 01.01.2026** से प्रभावी होंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पशुपति नाथ मंदिर, मंदसौर, मध्य प्रदेश

हमारी अनजानी धरोहर 87

डॉ। एस। के। सैनी

हमारे देश में वैष्णो परंपरा की सगुण भक्ति की दो परंपराएं हैं भगवान विष्णु की पूजा और भगवान शिव की पूजा भगवान शिव के देश में अने को मंदिर है। 12 ज्योतिर्लिंग तो पूरे भारत में प्रसिद्ध है आज पड़ोसी देशों में भी उनकी मान्यता है किंतु कुछ ऐसे मंदिर हैं भगवान शिव के, जो हमारी धरोहर है लेकिन लोगों में ज्यादा जानकारी नहीं है। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर को तो पूरे विश्व में हिंदू धर्म अवलंबी जानते हैं किंतु एक और पशुपतिनाथ का मंदिर है मध्य प्रदेश के मंदसौर शहर में जहां का शिवलिंग बहुत विराट है और पशुपतिनाथ मंदिर के शिवलिंग से भी बड़ा है इस शिवलिंग की तुलना खजुराहो के मतंगेश्वर मंदिर के शिवलिंग से की जा सकती है।

मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर का इतिहास लगभग 1500 वर्ष पूर्व का है इस मंदिर और इस विराट शिवलिंग का निर्माण सम्राट यशोवर्मन ने 575 ईस्वी में हूणों पर अपनी विजय के उपलक्ष में निर्मित किया था यह अष्टम के शिवलिंग तांबईया आकर और तंबा रंग का है और अपने आप में बेहद प्रखर और आभा युक्त है। कहते हैं कि एक धोबी शिवलिंग पर कपड़े धोता था।

जिसे भगवान शिव ने सपने में दर्शन देकर के और इसे अपना ही प्रतिरूप अष्टमुखी शिवलिंग बताया। इसको बाद में 1961 में मंदिर में स्थापित किया गया।

यमुना नदी के किनारे पर स्थित यह विराट मंदिर मंदसौर शहर में है जिसका पुराना नाम मारह और सो र दो गांव के संयुक्त अक्षरों के आधार पर बुलाए जाने लगा था। पशुपतिनाथ मंदसौर का मंदिर अदभुत है।

अलविदा 2025 :
बदलाव, बहस और उम्मीदों का साल !

डॉ घनश्याम बादल

जैसा कि हर साल होता है एक और साल विदाई के कगार पर खड़ा है। 2025 भी अपनी स्मृतियों और समय के रेत पर अपने पद चिन्ह छोड़कर जा रहा है फिर कभी न लौटने के लिए। अपनी सारी धरोहर 2026 की झोली में डालकर 2025 काल के गर्त में खो जाएगा लेकिन उसने जो जो किया या सहा वह सब इतिहास में दर्ज हो जाएगा।

2025 केवल एक साधारण कैलेंडर वर्ष नहीं रहा, बल्कि यह ऐसे घटनाक्रमों का साक्षी बना जिनका असर राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाज और जनमानस पर लंबे समय तक दिखाई देगा। अंतरराष्ट्रीय मंचों से लेकर देश के गाँवों तक, वाद विवाद, संवाद, निर्णय, टकराव, सौहार्द्र उपलब्धियाँ और प्रयोग खुशी के साथ-साथ कभी न मिटने वाले घाव हर 2025 देकर अपनी एक अलग ही छाप छोड़ी है ।

अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर निगाह डालें तो रूस और यूक्रेन का टकराव जारी रहा इसराइल ने हमास की कमर तोड़ दी मगर लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, नेपाल में जैन जी आंदोलन ने ओली सरकार का तख्ता पलट कर कुछ गहने और बड़े संकेत दिए वहां सुशीला जोशी अब राजकाज देख रही हैं । वहीं बांग्लादेश में भी शेख हसीना को वहां के कोर्ट ने फांसी की सजा सुना दी। पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने के बावजूद असीम मुनीर का रुतबा सातवें आसमान पर है लेकिन इमरान की जनता पर पकड़ अभी भी बनी हुई है और शहबाज शरीफ एक कठपुतली प्रधानमंत्री की तरह सरकार चला रहे हैं । मगर इन सब घटनाक्रमों से अलग 2025 में डोनाल्ड ट्रंप के 'टैरिफ टेरर' ने दुनिया भर को हिला कर रखा ब्राज़ील, चीन और भारत पर सबसे ज्यादा 50% टैरिफ लगने के बावजूद भारत की जीडीपी जबरदस्त तरीके से बढ़ी। आतंकवाद का कहर और उसके विरुद्ध कार्रवाई भी जारी रही पहलगाम हमले की परिणिति ऑपरेशन सिंदूर के रूप में सामने आई। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में भी जबरदस्त टकराव हुआ। ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत, चीन और कुछ एशियाई देशों पर जबरदस्त टैरिफ बढ़ाने की घोषणा ने वैश्विक व्यापार को झकझोर दिया। इससे भारत सहित कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के निर्यात और मुद्रा बाज़ारों पर दबाव भी बना।

इसी वर्ष लाल सागर और फारस की खाड़ी में समुद्री मार्गों पर अस्थिरता के कारण कई देशों को अपने व्यापारिक रास्ते बदलने पड़े। ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक अभियान के तहत भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सहयोग से ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जिसे सीमा-पार आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक निर्णायक कार्रवाई के रूप में देखा गया। इस ऑपरेशन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के मुद्दे पर अब केवल कूटनीतिक विरोध तक सीमित नहीं रहेगा।

आर्थिक दृष्टि से विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत के राष्ट्रीय परिदृश्य के हिसाब से भी 2025 घटना प्रधान वर्ष सिद्ध हुआ। कई योजनाओं का पुनर्गठन और दिखाई दी। बावजूद 50% टैरिफ की मार झेलने के भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थ-ाओं में बना रहा लेकिन मध्यम वर्ग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुस्ती वर्ष की बड़ी आर्थिक सच्चाई रही।

2025 में समाजिक स्तर पर युवाओं में रोजगार को लेकर बढ़ती बेचैनी,डिजिटल युग में निजता और डेटा सुरक्षा व महिलाओं की सुरक्षा और कार्यस्थल पर समानता, शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विवाद, ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामले और मानसिक स्वास्थ्य पर खुली चर्चा छाए रहे। ।

राजनीतिक संकेत देश के भीतर 2025 का सबसे चर्चित घटनाक्रम रहा । मनरेगा का पुनर्गठन कर उसे विकसित भारत जी-राम-जी (ग्रामीण आजीविका एवं रोजगार गारंटी योजना) के रूप में प्रस्तुत किया जाना। विपक्ष के कड़े विरोध और हंगामा के बीचसरकार ने इसे केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि डिजिटल ट्रैकिंग, परिसंपत्ति निर्माण और कौशल-आधारित रोजगार से जोड़ने का प्रयास बताया। हालांकि विपक्ष ने इसे पुरानी योजना को नए पैकेट में पेश करने की संज्ञा दी।

संसद के शीतकालीन सत्र में इस बदलाव को लेकर तीखी बहस प्रदर्शन और वॉक आउट तक हुए। । ग्रामीण रोजगार, बजट आवंटन और राज्यों की भूमिका जैसे सवालों ने राजनीतिक विमर्श को धार दी।

इसी वर्ष चुनावी सुधार, एक देश-एक चुनाव और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर भी सरकार और विपक्ष आमने-सामने रहे, जिससे 2025 राजनीतिक रूप से बेहद सक्रिय वर्ष साबित हुआ। विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर ने भी हलचल मचाए रखी बिहार में 65 लाख से ज्यादा वोट कट गए और अब बंगाल तथा उत्तर प्रदेश के साथ उत्तरी पूर्वी राज्यों में यह जारी है । ममता बनर्जी का विरोध 2025 में विशेष रूप से दर्ज किया गया। चुनाव आयोग विपक्ष के निशाने पर रहा तो सरकार का हाथ उसकी पीठ पर लगातार दिखाई दिया

आर्थिक घटनाक्रम में महंगाई, डिजिटल अर्थव्यवस्था और दबाव सुर्खियों में रहे।

2025 में महंगाई नियंत्रण सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी रही। खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में वैश्विक अस्थिरता का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ा। सोने चांदी जैसी कीमती धातुओं के भाव एक ही वर्ष में रॉकेट की स्पीड से बढ़े और रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचे।

हालाँकि डिजिटल भुगतान प्रणाली (णझख) ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। स्टार्टअप और ग्रीन एनर्जी सेक्टर में निवेश बढ़ा। जीएसटी की दरों में सुधार से व्यापार एवं निवेश में रहता मिलती

खेलों के मोर्चे पर 2025 भारत के लिए उत्साहजनक रहा। क्रिकेट में भारत की एशिया कप जीत ने देशभर में जश्न का माहौल बनाया। युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भरोसा दिलाया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

इसके अलावा हालांकि इस बीच साउथ अफ्रीका से टेस्ट क्रिकेट मैच की श्रृंखला हारने का ग़म भी साथ रहा। 2026 में होने वाले 2020 विश्व कप के दल की घोषणा में जब शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के नाम देखने को नहीं मिले तो साफ संकेत मिला कि अब नाम नहीं प्रदर्शन ही आपका चयन की कसौटी है। शतरंज में गुकेश का जलवा कायम रहा तो क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी और शेफाली वर्मा भविष्य की आशा के रूप में दिखाई दिए।

एथलेटिक्स और बैडमिंटन में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अंतराष्ट्रीय पदक जीते

महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने भारत को विश्व कप जितवाया तो स्क्वैश का वर्ल्ड कप भी भारत की झोली में आया। इन सफलताओं ने खेलों में नई प्रेरणा दी

फिल्म और सांस्कृतिक जगत में कंटेंट की निर्णायक वापसी हुई। 2025 में फिल्म जगत में बड़ा बदलाव दिखा। बड़े बजट की फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक यथार्थ, इतिहास और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर बनी फिल्मों और वेब सीरीज़ को दर्शकों का भरपूर समर्थन मिला। लेकिन हिंसा से भरपूर अंडरवर्ल्ड की फिल्म 'धुरंधर' की रिकार्ड तोड सफलता कई सवाल भी खड़े करती है। ओ टी टी पर हिंसा और सेक्स तथा अश्लीलता का वर्चस्व संस्कृति एवं संस्कार पर प्रहार भी का भी संकेत है । क्षेत्रीय सिनेमा ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, पर सेंसरशिप, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कंटेंट की जिम्मेदारीइन मुद्दों पर भी साल भर बहस चली।

साल 2025 को यदि एक वाक्य में परिभाषित किया जाए, तो यह कहा जा सकता है ,यह वर्ष फैसलों, टकरावों और स्पष्ट संदेशों का साल रहा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

सौंदर्य बढ़ाता है संतरा

सोनी मल्होत्रा

विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है संतरा। इसमें विटामिन सी के अतिरिक्त कैल्शियम, आयरन व पोटेशियम भी पाया जाता है। विटामिन सी शरीर की प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है व इन्फेक्शन आदि से बचाव करता है। संतरे से हमें कार्बोहाइडेऋट, कैल्शियम, फास्फोरस, विटामिन सी, प्रोटीन व वसा की प्राप्ति होती है।

संतरा रस से भरपूर होता है और अधिकतर लोग इस फल का जूस पसंद करते हैं पर इससे संतरे में मौजूद रेशे की मात्रा बेकार जाती है। संतरे में शूगर की मात्रा अधिक होती है इसलिए अगर शरीर को जल्दी कार्बोहाइडेऋट की आवश्यकता हो तो संतरा अति उत्तम है।

अगर आप संतरे का रस अधिक पसंद करते हैं तो बाजार में मिल रहे रस की अपेक्षा घर पर ही रस निकालें। सफाई व स्वास्थ्य, दोनों की दृष्टि से घर पर निकला संतरे का रस ही अच्छा है।

संतरे में क्लेब नायड्स भी होता है जो रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है। संतरे में मौजूद रेशा कोलेस्ट्राल के स्तर को कम करता है। यह एक ऐसा फल है जो रक्त को साफ करता है, भूख बढ़ाता है और रिफ्रेशनर का काम भी करता है और मुंह के इन्फेक्शन को दूर भी करता है। गर्भावस्था में यह फल मां व बच्चे दोनों के लिए अच्छा होता है।

संतरा न केवल स्वास्थ्यवर्द्धक है बल्कि सौंदर्य भी बढ़ाता है। अगर प्रतिदिन इसका सेवन किया जाए तो त्वचा पर आभा आती है। यही नहीं,संतरे के छिलके का प्रयोग भी फेस पैक के रूप में होता है। इसके छिलकों को सुखा कर उनका पाउडर बनाकर गुलाबजल के साथ पेस्ट बनाएं। इसे मुंह पर लगाने से त्वचा पर निखार आता है।

अगर आप भी फेस पैक के रूप में इसका प्रयोग कर रही हैं तो संतरे के छिलकों को पहले धो लें क्योंकि कई दुकानदार इसके आकर्षण को बढ़ाने के लिए इस पर कृत्रिम रंग भी करते हैं। (स्वा.द.)

सुखी दाम्पत्य के लिए पत्नी को खुश रखिए

उषा जैन 'शीरीं'

कई पति इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद भी वे पत्नी को खुश क्यों नहीं रख सकते। आइए इसके लिए कुछ टिप्स देखें। शायद कारगर साबित हों।

◆ आप कार्यस्थल से लौटकर उसकी दिनचर्या, उसके दुखड़े, उसकी शिकायतें सहानुभूतिपूर्वक सुनें न कि उसे झाड़ते हुए कहें 'बोर मत करो'।

◆ अच्छा खाना बनाने, कपड़े रिपेयर करने या बचत करते हुए वैसे ही कोई रचनात्मक कार्य करने पर पत्नी की प्रशंसा जरूर करें।

◆ जितना संभव हो सके, उसके कार्यों में हाथ बंटायें।

◆ बच्चों के सामने कभी उसे कमतर होने का एहसास न कराएं। याद रखिए बच्चे आपकी पत्नी के प्रति व्यवहार से काफी प्रभावित रहते हैं। आप उनके सामने पत्नी से आदर सम्मान से पेश आयें। तभी बच्चे भी मां की इज्जत करना सीखेंगे।

◆ पत्नी द्वारा लिए गए फैसले को एकदम से सीधे-सीधे कभी न नकारें।

◆ घर की व्यवस्था बनाए रखने के लिये पत्नी को बहुत खटना पड़ता है। घर के कामों का अंत नहीं होता। इसके साथ ही एक आदर्श पत्नी, एक अच्छी मां की भूमिका अदा करते हुए घर के सदस्यों की जरूरतों का ख्याल रखना भी उसी की जिम्मेदारी होती है। इन सब का सिला वह और कुछ नहीं चाहती, केवल यह कि खासकर पति को इस बात का अहसास है और उसे इसके लिए इज्जत मिल रही है।

◆ बच्चे केवल पत्नी के नहीं, आपके भी हैं। इसलिए उनके कार्यों में दिल-चस्पी आपको भी उतनी ही लेनी है।

◆ पत्नी के मायके वालों से भी अपने घरवालों की तरह चाहे बराबर नहीं (यह शायद संभव नहीं) मगर स्नेह जरूर रखें। उसकी सहेलियों का आना बर्दाश्त करें लेकिन उनमें जरूरत से ज्यादा दिलचस्पी न लें। उनकी अत्यधिक प्रशंसा न करें।

◆ पत्नी के अपने आत्मीय रिश्तेदार व सहेलियों आदि के साथ बाहर कहीं घूमने जाने की इच्छा व्यक्त करने पर प्रसन्नतापूर्वक बच्चों की देखरेख की जिम्मेदारी उठाने को तैयार हो जाएं।

◆ जब बातों में गरमी आने लगे और पत्नी का फ्यूज उड़ने की नौबत आने को हो, आप लाइट ऑफ कर देने की समझदारी बरतें या उसे हंसा पाने के गुर सीख लें।

◆ कभी-कभी अपने क्रिया कलापों को लेकर आत्मनिरीक्षण जरूर करते रहा करें। आपकी खामियां आपसे बेहतर आपको कौन बता सकता है।

◆ थैंक यू और सॉरी शब्दों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना सीख लें।

◆ अंत में सबसे महत्वपूर्ण रामबाण फिकरा जिससे गुस्सैल से गुस्सैल बीवी के तेवर भी एकदम डाउन हो जाते हैं, यह है 'प्रिय, तुम कितनी सुंदर हो'।

उपर्युक्त बातों को थोड़ा भी अमल में लाने से दांपत्य खुशहाल रहने की संभावना बनी रहेगी। (उर्वशी)

फर्नीचर खरीदने से पहले

बलविंदर कौर

जब कोई अतिथि आपके घर में प्रवेश करता है तो उसकी नज़र मकान की बनावट से अधिक भीतर की साज-सज्जा की तरफ रहती है। यूं भी हर व्यक्ति की यही कल्पना रहती है कि उसका घर लोगों के आकर्षण का केन्द्र हो। घर की सजावट से हमारा अभिप्राय है घर के फर्नीचर से। जहां हर वस्तु सुव्यवस्थित रखी हो तो वह खूबसूरत ही कहलाएगी।

अच्छे फर्नीचर से एक तो आपकी रुचियों का अंदाजा लगाया जा सकता है, दूसरा इससे आपका अपने घर के प्रति लगाव पता चलता है। आधुनिक जीवन में फर्नीचर से मतलब केवल सोफा, पलंग, डायनिंग टेबल से हटकर कहीं और भी है। घर की दीवारों व विशेष जगहों को कवर करने से लेकर पार्टीशन (विभाजन) तक का काम आज फर्नीचर द्वारा ही किया जाता है। इसके लिए बाज़ार में हर तरह के फर्नीचर मौजूद हैं जिसे आप अपनी रुचि के अनुरुप मनचाहा, ढाल सकते हैं।

अच्छा फर्नीचर खरीदने से पहले यदि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो आप भी अपने घर को अपने ख्वाबों का आशियाना कह सकते हैं।

इस विषय में विशेषज्ञों का कहना है कि:-

खरीदने से पहले सोचें:-

फर्नीचर खरीदने से पहले अपनी जरुरतों को सुनियोजित करें। इससे आपका समय व पैसा तो, बचेगा ही, साथ ही इससे अनिश्चित खरीद की निराशा से भी बचा जा सकता है।

अपनी रुचियों को समझें:-

यह विचार करें कि आप अपने घर को कैसा सजाना चाहते हैं? क्या यह केवल एक कमरा है या पूरा घर, किस प्रकार की रुपरेखा (डिज़ाइन) आपको सूट करते हैं इत्यादि?

इसका प्रयोग कैसे करें:-

यह जानना भी जरुरी है कि आप इसका प्रयोग किस प्रकार से करना चाहेंगे। उदाहरण के लिए एक संयुक्त परिवार की रुचियां (डिज़ाइन, फेबरिक आदि) घर के बड़े बुजुर्गों की सहूलियत पर निर्भर करती है, वहीं दूसरी तरफ एक एकाकी जीवन में यही पसंद एक विपरीत दृष्टिकोण अपना लेती है।

स्थान का मूल्यांकन:-

अपने घर में फ्लोर प्लान को योजनाबद्ध करें। इससे स्थान का प्रयोग उचित ढंग से हो पाएगा।

अपना बजट देखें:-

आप कितना खर्च कर सकते हैं और क्या इससे आपकी सभी ज़रुरतें संतुष्ट होती हैं? अपनी जेब को देखते हुए ही हर वस्तु का चयन करें। (उर्वशी)

बच्चे के दोस्तों पर नजर रखें

नीतू गुप्ता

यह तो सच है कि कुछ रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं। आंख खोलते ही बुआ, मासी, मामी, नानी-नाना, दादी-दादा, बहन-भाई, माता-पिता आदि रिश्ते उसी वक्त से शुरू हो जाते हैं पर दोस्ती थोड़ी समझ आने पर होती है। दोस्ती करना तो आसान है पर निभाना बहुत मुश्किल। बच्चों में दोस्ती होती भी जल्दी है और बिगड़ती भी जल्दी है क्योंकि यह उनका भोलापन होता है कि एक पल में झगड़ा, अगले पल फिर दोस्ती।

दोस्ती हर उम्र की जरूरत है, चाहे आप छोटे हैं, बड़े या बुजुर्ग। दोस्ती एक खूबसूरत रिश्ता है, अहसास है। जिसके पास अच्छा दोस्त हो, उसे दुनिया में बहुत कुछ मिल जाता है क्योंकि एक अच्छा दोस्त ही दोस्त की भावनाओं, आदतों, मूड और समस्याओं को समझ सकता है पर बचपन में दोस्ती करते समय दिमाग इतना नहीं होता। उस समय तो मौज मस्ती, खेलना-कूदना, चिढ़ाना, खाना-पीना ही अच्छा लगता है, इसलिए कभी-कभी बच्चों की दोस्ती गलत दोस्तों से हो जाती है जो थोड़ा बड़े होने पर नुकसान पहुंचाती है।

वैसे माता-पिता भी अधिक परवाह नहीं करते कि बच्चे क्या खेलते हैं, किन दोस्तों के साथ कहां जाते हैं, कैसी बातें करते हैं पर माता-पिता को बच्चों के दोस्तों पर नजर जरूर रखनी चाहिए ताकि समय रहते बच्चे को गलत दोस्तों से थोड़ा दूर किया जा सके। कभी-कभी बच्चे जल्दी मिक्सअप नहीं होते, ग्रुप में खेलने से कतराते हैं या जल्दी झगड़ा कर अलग हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंटस को दोस्त बनाने में

उनकी थोड़ी मदद करनी चाहिए और बाकी बच्चों से अकेले में अपने बच्चे के बारे में बात कर उसकी कमी जानकर बच्चे को समझाएं और दोस्ती की महत्ता बताएं और इकट्ठे खेलने-कूदने के गुण भी समझाएं।

पेरेंटस को चाहिए कि बच्चे और उनके दोस्तों के बीच रिश्ते अच्छे बनें। उन्हें घर पर कभी-कभी पार्टी या बर्थडे पार्टी का आयोजन कर दोस्तों को बुलाने का अवसर दें जिससे बच्चे आपस में अच्छी तरह स्वतंत्रा वातावरण का आनंद ले सकें और रिश्ते को मजबूत बना सकें पर थोड़ी नजर अवश्य रखें।

यदि आप नए शहर में जा रहे हैं तो यह स्पष्ट है कि नई जगह पर दोस्त बनाना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में अध्यापक की मदद लेकर अपने आस-पास रहने वाले बच्चों के पेरेंटस से मिलें और बच्चों को साथ ले जाकर उनमें दोस्ती करवाएं। फिर परिवार सहित उनको अपने यहां निमन्त्रित कर दोस्ती के खूबसूरत रिश्ते को आगे बढ़ाएं।

कभी-कभी अपने बच्चों को दूसरे बच्चों के घर ड्राप करें और एक सीमित समय देकर उन्हें वापिस पिकअप करें ताकि दोस्ती और घनिष्ठ हो सके और माता-पिता को भी यह तसल्ली रहे कि बच्चा ठीक परिवार में है।

नई जगह बच्चा दोस्त बनाने में जल्दी फ्री नहीं हो पा रहा तो माता-पिता को चाहिए कि पुराने दोस्तों से ई-मेल, पत्रा, फोन द्वारा कुछ समय तक संपर्क बनवाए रखें ताकि बच्चा अकेलापन महसूस न करे।

यदि पेरेंट्स को किसी बच्चे के झगड़ालू स्वभाव या गाली गलौज की आदत के बारे में पहले से पता हो तो बच्चों को उसके साथ घुलने मिलने न दें। बच्चों को दूरी बनाए रखने के लिए सावधान करें।

बच्चों को अच्छा बुरा जानने के लिए सही वेल्यूज दें। उनके अच्छे-बुरे किरदारों के बारे में बताते रहें ताकि वे अच्छे बुरे का अन्तर कर सके।

बच्चों की मदद करें। उन पर अपनी हर बात न थोपें पर नजर रखें कि कहीं बच्चा कुछ गलत न कर रहा हो ताकि समय रहते सावधान कर सकें। बच्चों को छोटी मोटी बात का फैसला करने का अधिकार दें। फिर भी उन्हें यह समझाएं कि कुछ भी फैसला करने से पूर्व पुनः स्वयं भी सोचें और समझ न आने पर माता-पिता से बात करके फैसला करें।

पेरेन्टस और बच्चों में दोस्ताना व्यवहार होना चाहिए ताकि वे कुछ छिपाएं नहीं पर दोस्ताना व्यवहार भी एक सीमा तक ही होना चाहिए। कभी-कभी अधिक दोस्ताना भी खराब होता है। बच्चे माता-पिता के सर चढ़ कर बोलने लगते हैं, माता-पिता को ब्लैकमेल करते हैं या धमकी देने में भी नहीं घबराते। मात्रा इतना दोस्ताना व्यवहार हो कि बच्चे आपको अपना हमराज समझें।

बच्चों को 'एक्सट्रा करीकुलर एक्टिविटीज' में भाग लेने दें ताकि दोस्ती के साथ वे मस्ती भी ले सकें और कुछ सीख भी लें जैसे स्विमिंग, डांसिंग, डिबेटिंग आदि। (उर्वशी)

रेसिपी कार्नर
लहसुन की चटनी

सर्दी के मौसम में खाने का स्वाद ही कुछ और होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में खाने के कई सारे विकल्प उपलब्ध रहते हैं। इन्हीं विकल्पों में शामिल है लहसुन की चटनी, जो अपने तीखे स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए प्रसिद्ध है। इस मौसम में लहसुन की चटनी खाने का एक बेहतरीन विकल्प बन सकती है।

लहसुन न केवल आपके भोजन को स्वादिष्ट बनाता है, बल्कि ये सेहत के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि ये शरीर को गर्मी प्रदान करता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। ऐसे में आप इसकी चटनी बनाकर भी सेवन कर सकते हैं।

लहसुन की चटनी सर्दी में खासतौर पर बहुत पसंद की जाती है, क्योंकि ये पेट को हल्का महसूस कराती है और भोजन के स्वाद को बढ़ा देती है। इस चटनी को बनाने में भी ज्यादा समय नहीं लगता। तो आइए बिना देर किए आपको लहसुन की चटनी बनाने की विधि के बारे में बताते हैं।

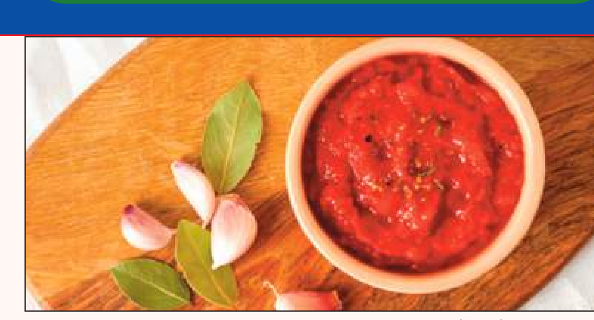

लहसुन की चटनी बनाने का सामान

लहसुन की कलियां - 6-7
हरी मिर्च - 2
सूखी लाल मिर्च
कश्मीरी लाल मिर्च
नींबू का रस - 1 चम्मच
नमक - स्वाद अनुसार
जीरा - 1/2 चम्मच
धनिया पाउडर - 1/2 चम्मच
काली मिर्च - 1/4 चम्मच

लहसुन की चटनी बनाने की विधि

लहसुन का स्वाद चटनी में तीखा और मसालेदार होता है, जो खाने में शानदार लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो लहसुन की कलियों को छीलकर बारीक काट लें। इसके बाद हरी मिर्च, सूखी लाल मिर्च, नमक, कश्मीरी लाल मिर्च, जीरा, धनिया पाउडर और काली मिर्च डालें।

इन सभी सामग्री को मिक्सी में अच्छे से पीस लें, ताकि सभी मसाले आपस में अच्छे से मिल जाएं और चटनी एकसार हो जाए। अब इस मिश्रण में ताजे नींबू का रस डालकर अच्छे से मिला लें। नींबू का रस चटनी में ताजगी और खट्टापन लाता है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। इस चटनी को आप खाने के साथ सर्व कर सकती हैं। ये चटनी किसी भी स्नैक, पराठे, पूरी, या चाय के साथ बेहतरीन लगती है।

बरतें ये सावधानी

- लहसुन की चटनी का स्वाद बहुत तीखा होता है, इसलिए हरी मिर्च और नमक को अपनी पसंद के हिसाब से कम या ज्यादा कर सकती हैं।
- चटनी को पिसने के दौरान ध्यान रखें कि अधिक पानी न डालें, वरना चटनी का स्वाद हल्का हो सकता है।
- नींबू का रस ताजे और खट्टे नींबू से ही डालें, ताकि चटनी में सही खट्टापन रहे।
- चटनी को हवादार जार या कंटेनर में रखें, ताकि वो ताजगी से लंबे समय तक बची रहे।
- यदि आपको लहसुन का स्वाद थोड़ा ज्यादा तीखा लगे, तो थोड़ा सा शहद भी डाल सकती हैं ताकि चटनी का स्वाद संतुलित हो जाए।

न्यूज इन ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने पुस्तकों और पुस्तकालयों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुस्तकों और पुस्तकालयों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि बच्चों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने छात्रों को एनसीसी जैसी प्रशिक्षण गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया, जिससे उनमें अनुशासन, नागरिक चेतना और राष्ट्रभावना विकसित हो। यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक आलोक मेहता ने अपनी नयी पुस्तक ''रिवोल्यूशनरी राज: नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष'' की एक प्रति प्रधानमंत्री को सौंपी, जिस दौरान उन्होंने उक्त टिप्पणी की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आलोक मेहता से मिलकर खुशी हुई और उनके द्वारा लिखित पुस्तक की प्रति प्राप्त की।'' विज्ञप्ति के अनुसार, मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ भेंट के दौरान हुई चर्चा में भारत के भविष्य की विकास दृष्टि, शासन में जमीनी अनुभव का महत्व तथा सरकार से जनता की अपेक्षाओं पर विचार-विमर्श हुआ।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने 2025 में वसूले 45 करोड़ रुपये, 67 हजार शिकायतों का किया निपटान

नयी दिल्ली : सरकार की राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने उपभोक्ताओं के हित में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। इस साल हेल्पलाइन के माध्यम से 45 करोड़ रुपये वसूले गए और 67,265 उपभोक्ता शिकायतों का निपटान किया गया। जोधपुर के रमेश कुमार (नाम बदल दिया गया) ने इस साल की शुरुआत में ऑनलाइन कुर्सियां ऑर्डर की थीं। ये कुर्सियां खराब हालत में आईं। ई-कॉमर्स कंपनी ने पांच बार वापस लेने का समय दिया और हर बार उसे रद्द कर दिया। कुमार टूटे हुए फर्नीचर और घटती उम्मीदों के साथ रह गए। फिर उन्होंने 1915 डायल किया। कुमार ने बाद में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एन-सीएच) के हस्तक्षेप करने और कुछ दिनों के भीतर अपना पूरा रिफंड पाने के बाद लिखा, मेरे जैसे ठगे गए उपभोक्ताओं की मदद करने के लिए उपभोक्ता हेल्पलाइन, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच 67,265 भारतीयों को इस सरकारी मंच के माध्यम से अपनी शिकायतों का समाधान मिला, जिससे कुल 45 करोड़ रुपये की वापसी हुई। वर्ष 2025 के आंकड़े भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और उसके झंझटों की कहानी बताते हैं। ई-कॉमर्स मंच से लगभग 40,000 शिकायतें आईं और 32 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ, जो कुल का दो-तिहाई से अधिक है।

समान अवसर मिलने पर महिलाएं पुरुषों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन करती हैं: राजनाथ सिंह

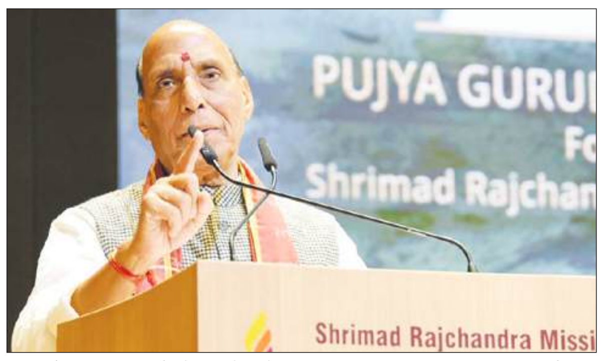

वलसाड (गुजरात) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि महिलाओं ने साबित कर दिया है कि जब भी उन्हें समान अवसर मिलते हैं, तो वे पुरुषों के बराबर या उनसे भी बेहतर प्रदर्शन करती हैं। गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुर में श्रीमद राजचंद्र सर्वमंगल महिला उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि जैन आध्यात्मिक गुरु श्रीमद् राजचंद्रजी ने अपने छोटे से जीवन में जो विरासत छोड़ी है वह सदियों तक लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'वर्चुअल' तरीके से केंद्र की आधारशिला रखी थी, जो 11 एकड़ में फैला है और महिलाओं को कौशल विकास और आजीविका में सुधार में सहायता करता है। श्रीमद राजचंद्र एक जैन मुनि, कवि, रहस्यवादी, दार्शनिक और 19वीं सदी के अंत के एक प्रमुख सुधारक थे। उनके भक्त गुरुदेव श्री राकेशजी ने एक आध्यात्मिक संगठन श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर की स्थापना की। सिंह ने कहा, ''मेरा मानना है कि जो महिलाएं यहां काम करेंगी, वे न केवल सशक्त होंगी बल्कि आत्मनिर्भर भी बनेंगी और उन्हें अपने तरीके से आध्यात्मिक चिंतन में शामिल होने का अवसर और समय मिलेगा।'' सिंह ने 'स्वरोजगार महिला संघ' (सेवा) की इला भट्ट और श्री महिला गृह उद्योग की संस्थापक जसवंतीबेन पोपट का उदाहरण देते हुए कहा, ''महिलाओं ने साबित कर दिया है कि जब भी उन्हें समान अवसर दिए गए हैं, उन्होंने पुरुषों के बराबर या उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया है।''

असम की मसौदा मतदाता सूची से 10.56 लाख नाम हटाए गए

गुवाहाटी : असम में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के बाद 10.56 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। राज्य में छह महीने से भी कम समय में विधानसभा चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को जारी एकीकृत मसौदा मतदाता सूची के अनुसार, राज्य में कुल 2,51,09,754 मतदाता हैं, जिनमें 93,021 'डी-वोटर' को बाहर रखा गया है। इसके अतिरिक्त, मृत्यु, स्थानांतरण या एकाधिक प्रविष्टियों के कारण 10,56,291 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। असम में 'डी-वोटर' मतदाताओं का एक वर्ग है, जिन्हें कथित तौर पर उचित नागरिकता प्रमाण पत्रों की कमी के कारण सरकार द्वारा मताधिकार से वंचित कर दिया गया है। 'डी-वोटर्स' का निर्धारण विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत विशेष न्यायाधिकरणों द्वारा किया जाता है और 'डी-वोटर' घोषित व्यक्ति को मतदाता कार्ड नहीं दिया जाता है।

सुरक्षा मजबूत करने को भारत में बम निरोधक प्रणालियों का पहला मानक जारी

नयी दिल्ली : भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने देश की सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने और बम निरोधक प्रणालियों के प्रदर्शन मानक स्पष्ट करने के लिए विशेष मानक जारी किया है। नया मानक आईएस 19445:2025 गृह मंत्रालय और टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी के अनुरोध पर तैयार किया गया है। यह बम निरोधक प्रणालियों के लिए व्यापक दिशानिर्देश स्थापित करता है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि ये मानक खरीद एजेंसियों, विनिर्माताओं और परीक्षण निकायों द्वारा स्वैच्छिक रूप से अपनाने के लिए है। उन्होंने बयान में कहा, इसके कार्यान्वयन से मूल्यांकन प्रथाओं में एकरूपता लाने, गुणवत्ता आधारित विनिर्माण को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण सुरक्षा अभियानों में तैनात बम निरोधक प्रणालियों में विश्वास बढ़ने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, मानक में परीक्षण उपकरण, परीक्षण क्षेत्र की परिस्थितियां, और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए आवश्यकताएं निर्धारित की गई हैं, ताकि प्रणाली की प्रभावशीलता का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन किया जा सके। गृह मंत्रालय ने बताया कि भारतीय मानक की आवश्यकता इसलिए उत्पन्न हुई क्योंकि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मानक या तो सीमित रूप से उपलब्ध हैं या भारतीय सेनाओं द्वारा सामना किए जाने वाले खतरे और संचालन की परिस्थितियों के अनुरूप नहीं हैं।

प्रवीण तोगड़िया ने वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में दाखिला मुद्दे पर आंदोलन की चेतावनी दी

जम्मू : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व नेता प्रवीण तोगड़िया ने शनिवार को मांग की कि जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में सभी 50 सीटें हिंदुओं के लिए आरक्षित की जाएं और ऐसा न किए जाने पर आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी। जम्मू स्थित राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तोगड़िया ने कहा कि भारत मुस्लिम डॉक्टरों की शिक्षा के लिए हिंदुओं द्वारा दिए गए चंदे के इस्तेमाल को बर्दाश्त नहीं करेगा। शक्ति नगर में राष्ट्रीय बजरंग दल के एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि उपराज्यपाल इस मुद्दे का समाधान करें, अन्यथा मैं स्वयं कोई रास्ता निकाल लूंगा। तोगड़िया ने कहा कि वह जम्मू क्षेत्र के साथ किसी भी तरह के ''अन्याय'' को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शायद इस ''अन्याय'' से अनभिज्ञ हैं। तोगड़िया इस समय जम्मू क्षेत्र के छह दिवसीय दौरे पर हैं, जिसकी शुरुआत उन्होंने बुधवार को कठुआ से की। रियासी जिला स्थित 'श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस' में एमबीबीएस के पहले बैच के 50 छात्रों के दाखिले पिछले महीने नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) के माध्यम से पूरे कर लिए गए। इस बैच में 42 मुस्लिम उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें अधिकांश कश्मीर से हैं, जबकि जम्मू से सात हिंदू छात्र और एक सिख उम्मीदवार है।

'ब्रेन डेड' महिला के अंगों से छह मरीजों को मिला नया जीवन

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे में 'ब्रेन-डेड' घोषित की गई 38 वर्षीय महिला के परिजनों ने उसके अंगदान करने का फैसला किया जिससे छह मरीजों को नया जीवन मिला। महिला एक गृहिणी थी और उसे 19 दिसंबर को अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई। ठाणे शहर के श्री महावीर जैन अस्पताल ने महिला को 'ब्रेन डेड' घोषित किया। हालांकि महिला का परिवार इस घटना से बेहद शोकाकुल था, लेकिन उन्होंने उसके महत्वपूर्ण अंगों को दान करने का निर्णय लिया। परिवार की अनुमति और अन्य औपचारिकताओं को पूरी करने के बाद अस्पताल के चिकित्सकों ने 25 दिसंबर को उसके हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और अन्य अंग दान के लिए संरक्षित किए। चिकित्सकों ने बताया कि एक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अंगों को मुंबई के चार अस्पतालों और गुरुग्राम के एक अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों के लिए पहुंचाया गया। एक अंग ठाणे के उसी अस्पताल में दान किया गया जहां महिला को 'ब्रेन डेड' घोषित किया गया था। अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा, ठाणे जिले के इतिहास में शायद यह पहली बार है कि एक ही अंगदाता से प्राप्त अंगों से इतने लोगों की जान बचाई गई है। परिवार के इस नेक काम से प्रभावित होकर अस्पताल चलाने वाले महावीर जैन ट्रस्ट ने मृतक महिला की नौ वर्षीय बेटी की आर्थिक मदद करने का फैसला किया और एक लाख रुपये दान किए। अस्पताल ने भी एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की।

कार्बी आंगलोंग हिंसा में 173 सुरक्षाकर्मी घायल हुए : असम पुलिस

गुवाहाटी : असम के कार्बी आंगलोंग और वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिलों में इस हफ्ते की शुरुआत में हुई हिंसा में राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कुल 173 जवान घायल हुए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार्बी आंगलोंग और वेस्ट कार्बी आंगलोंग में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और दोनों जिलों से किसी अप्रिय घटना की कोई नयी खबर सामने नहीं आई है। असम पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वेस्ट कार्बी आंगलोंग के खेरोनी थाना क्षेत्र में 22-23 दिसंबर 2025 को हुई हिंसक झड़पों में असम पुलिस और सीआरपीएफ के 173 जवान घायल हो गए। इनमें से 139 जवानों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि 33 अन्य को इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों जिलों में निषेधाज्ञा लागू है, इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं और सुरक्षाबल स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। कार्बी समुदाय के आंदोलनकारी आदिवासी क्षेत्रों में स्थित ग्राम चरागाह आरक्षित क्षेत्र (वीजीआर) और व्यावसायिक चरागाह आरक्षित क्षेत्र (पीजीआर) से कथित अवैध कब्जाधारियों, जिनमें से ज्यादातर बिहार के हैं, को बेदखल करने की मांग को लेकर 15 दिन से भूख हड़ताल पर थे।

वीबी-जी राम जी: शिवराज ने कांग्रेस पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया

नयी दिल्ली : केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कांग्रेस पर 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम के तहत श्रमिकों की सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और ग्राम पंचायतों की शक्तियों के बारे में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने विपक्षी दल के आरोपों को बेबुनियाद और भ्रामक करार दिया। कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के विषय पर मोदी सरकार को घेरने की रणनीति के तहत आगामी पांच जनवरी से देशव्यापी स्तर पर 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करने का फैसला किया है। शिवराज ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल का विरोध ''राजनीतिक'' है और दावा किया कि सरकार ने मांग आधारित रोजगार योजना को कमजोर नहीं किया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, शिवराज ने कहा, ''ग्रामीण रोजगार, ग्राम पंचायतों की शक्तियों और श्रमिकों की सुरक्षा के संबंध में कांग्रेस और विपक्ष की ओर से फैलाई जा रही भ्रामक एवं गलत सूचनाएं पूरी तरह से बेबुनियाद और भ्रामक हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम के माध्यम से ग्रामीण भारत और श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करने के बजाय मजबूत किया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान मनरेगा योजना भ्रष्टाचार में डूबी हुई थी, जबकि नया अधिनियम पूरी पारदर्शिता के साथ श्रमिकों के लिए वास्तविक और ठोस फायदे सुनिश्चित करेगा। शिवराज ने कहा कि कांग्रेस सरकार की न तो सही मंशा थी और न ही कोई स्पष्ट नीति। उन्होंने कहा कि पार्टी ने ''राजनीतिक फायदे'' के लिए महात्मा गांधी का नाम इस योजना से जोड़ा, मनरेगा बजट में बार-बार कटौती की, मजदूरी रोक दी और अब श्रमिकों के लिए ''मगरमच्छ के आंसू'' बहा रही है।

नासिक में अवैध रूप से रहने के आरोप में छह बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

नासिक : पुलिस ने महाराष्ट्र के नासिक शहर से भारत में अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन महिलाओं को शुक्रवार को प्रसिद्ध पांडवलेनी गुफाओं के पास कवठेकरवाड़ी से हिरासत में लिया गया था। उन्होंने बताया कि भारत में अवैध रूप से रहने में उनकी मदद करने वाले एक स्थानीय व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी महिलाएं पांडवलेनी के कवठेकरवाड़ी इलाके में अवैध रूप से रह रही हैं, इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर 25 से 41 वर्ष की आयु की इन छह महिलाओं को हिरासत में लिया। पुलिस को इन महिलाओं के मोबाइल फोन से बांग्लादेशी पहचान पत्र और फर्जी आधार कार्ड व पैन कार्ड मिले। नासिक निवासी बॉबी और लकी उर्फ लियाकत हमीद कुरैशी नाम के दो व्यक्तियों ने इन महिलाओं को नासिक में रहने में मदद की थी, जिनमें से लियाकत हमीद कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इंदिरा नगर थाने में उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस पांच जनवरी से शुरू करेगी 'मनरेगा बचाओ अभियान'

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने शनिवार को फैसला किया कि वह आगामी पांच जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान' की शुरुआत करेगी और 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम की वापसी सुनिश्चित कराने के लिए लड़ाई लड़ेगी। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संवाददाताओं से कहा, बैठक में यह शपथ ली गई कि मनरेगा योजना को प्रमुख बिंदु बनाकर सारे देश में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की शुरूआत करेगी। कार्य समिति की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने शपथ ली, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अग्रणी भूमिका लेते हुए 5 जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी। हम मनरेगा की हर हाल में रक्षा करेंगे, मनरेगा कोई योजना नहीं, भारत के संविधान से मिला काम का अधिकार है।'' उन्होंने यह संकल्प भी लिया, '' ग्रामीण मज़दूर के सम्मान, रोज़गार, मज़दूरी और समय पर भुगतान के अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे और मांग-आधारित रोज़गार और ग्राम सभा के अधिकार की रक्षा करेंगे।''

पंजाब सरकार ने अमृतसर से शराब और मांस के स्टॉल हटाना शुरू किया

अमृतसर : पंजाब सरकार ने हाल ही में 'पवित्र शहर' घोषित किए गए अमृतसर के पुराने इलाके से शराब, मांस, अंडे, तंबाकू और अन्य मांसाहारी वस्तुएं बेचने वाले अस्थायी किओस्क और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अमृतसर नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि एक विस्तृत सर्वेक्षण में शहर के पुराने इलाके के भीतर संचालित लगभग 150 अस्थायी दुकानें और स्टॉल पाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, मांस की दुकानें, पान-बीड़ी के किओस्क और उबले अंडे बेचने वाले ठेले हटाए जा रहे हैं। खास तौर पर शास्त्री मार्केट के पास ओल्ड टेलीफोन एक्सचेंज और कटरा जैमल सिंह जैसे इलाकों से इन्हें हटाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा हाथी गेट, लोहगढ़ गेट, हकीमान गेट, भगतानवाला गेट, गुरुवाली गेट, गुरु बाजार, लाहौरी गेट, नमक मंडी और आसपास के क्षेत्रों में भी मांसाहारी भोजन और तंबाकू उत्पाद बेचने वाले विक्रेता पाए गए।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक से पहले दिग्विजय सिंह ने की भाजपा की 'संगठन शक्ति' की तारीफ

नयी दिल्ली : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पार्टी कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से पहले शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ''संगठन शक्ति'' की तारीफ कर अपने दल के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी। हालांकि, सिंह ने बाद में सफाई देते हुए कहा कि वह आरएसएस तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के धुर विरोधी हैं और उन्होंने सिर्फ संगठन की तारीफ की है। सूत्रों के अनुसार, दिग्विजय ने कार्य समिति की बैठक के दौरान भी पार्टी संगठन में विक्रेंद्रीकरण की पैरवी की। सूत्रों ने यह भी बताया कि सिंह को कुछ वरिष्ठ नेताओं ने टोका और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी टोकते हुए यह कहा कि अभी और नेताओं को बोलना है। कार्य समिति की बैठक शुरू होने से पहले दिग्विजय सिंह ने 'एक्स' पर एक पुरानी तस्वीर साझा की जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे की तरफ नीचे बैठे हुए हैं तथा उनके पीछे भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। सिंह ने पोस्ट किया, ''कोरा वेबसाइट पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक व जनसंघ भाजपा का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संगठन की शक्ति है। जय सियाराम।''

2025 - इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में बड़ी सफलताओं का वर्ष!

नए भारत का निर्माण :

2025 भारत की विकास यात्रा में एक अहम अध्याय है। इंफ्रास्ट्रक्चर के हर क्षेत्र में: रेल, सड़क, उड्डयन, समुद्र और डिजिटल, इस वर्ष भारत की विकास की महत्वाकांक्षाएं करोड़ों नागरिकों के लिए वास्तविकता में बदल गई। देश के सबसे दूरदराज के इलाकों से लेकर सबसे बड़े शहरी केंद्रों तक, कनेक्टिविटी बढ़ी, दूरियां घटीं, और लोगों की उम्मीदों को स्टील, कंक्रीट और ट्रैक का सहारा मिला।

वित्त वर्ष 2025-26 में इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के लिए सरकार का पूंजीगत निवेश बढ़कर 11.21 लाख करोड़ (लगभग 128.64 बिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया है, जो जीडीपी का 3.1% है, जबकि अनुमान के मुताबिक 2047 तक भारत हर 12-18 महीनों में अपनी जीडीपी में 1 ट्रिलियन जोड़ेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास का गुणक बन गया है, और साल 2025 वह वर्ष है, जब इस गुणक से साफ नतीजे नजर आने शुरू हुए।

मिजोरम पहली बार भारत के राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ा : मिजोरम के आखिरकार भारत के राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ने पर इतिहास रच गया, जो पूर्वोत्तर के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है और राज्य के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई। इस उपलब्धि के साथ, मिजोरम भारत के रेलवे मैप में शामिल हो गया, जिसमें 51 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन है, यह प्रोजेक्ट 8,000 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है, जो आजाद भारत के इतिहास में पहली बार आइजोल को सीधे भारत के राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ता है।

मिजोरम की आबादी के लिए एक सिंगल रेलवे लाइन से इमरजेंसी सेवाएं, सैन्य लॉजिस्टिक्स, आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, शिक्षा और रोजगार के मौकों में बड़ा बदलाव आया है। इतना ही नहीं, पहली माल ढुलाई 14 सितंबर, 2025 को हुई, जब असम से 21 सीमेंट वैगन आइजोल भेजे गए। बांस, बागवानी, खास फसलों जैसे स्थानीय कृषि उत्पाद अब सड़क परिवहन के अधिक खर्च के बिना पूरे भारत के बाजारों तक पहुच सकते हैं।

सबसे कठिन इलाके पर जीत: दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का उद्घाटन : उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट के अंतर्गत दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चिनाब ब्रिज के उद्घाटन के साथ भारत के अभियांत्रिकी भरोसे ने नई ऊंचाइयों को छुआ। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने कश्मीर घाटी को पूरे देश से हर मौसम में रेल कनेक्टिविटी के जरिए जोड़ा, जिससे एक लंबे समय से चले आ रहे राष्ट्रीय लक्ष्य को वास्तविकता में बदला गया।

तमिलनाडु में भारत के पहले वर्टिकल-लिफ्ट समुद्री पुल का उद्घाटन : 2025 में भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर कहानी समुद्र तक भी पहुच गई। पीएम मोदी ने तमिलनाडु में नए पंबन पुल का उद्घाटन किया।

नया पंबन पुल भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल है और यह अपनी तकनीकी तरक्की और अनोखे डिजाइन के लिए दुनिया भर में मशहूर दूसरे पुलों जैसा ही है। इसमें अमेरिका का गोल्डन गेट ब्रिज, लंदन का टॉवर ब्रिज और डेनमार्क-स्वीडन का ओरेसंड ब्रिज शामिल हैं।1

भारत के पहले डेडिकेटेड कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट का लॉन्च : पीएम ने 8,900 करोड़ रुपये के 'विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी के बहुउद्देशीय बंदरगाह' का उद्घाटन किया। यह देश का पहला समर्पित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह है, जो विकसित भारत के एकीकृत विजन के अंतर्गत भारत के समुद्री क्षेत्र में हो रही बदलाव लाने वाली प्रगति को दिखाता है।

बिहार में पहली वंदे मेट्रो का लॉन्च : बिहार की पहली वंदे मेट्रो, जिसे नमो भारत रैपिड रेल के नाम से भी जाना जाता है, को जयनगर को पटना से जोड़ने के लिए लॉन्च किया गया, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

अपनी तरह की यह पहली, पूरी तरह से एयर-कंडीशन्ड और बिना रिजर्वेशन वाली ट्रेन मौजूदा ट्रेनों से लगभग आठ घंटे की तुलना में सिर्फ साढ़े पांच घंटे में पटना पहुचती है।

जेड-मोड़ टनल: जम्मू और कश्मीर में हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित : 2025 में, पीएम ने जम्मू और कश्मीर में रणनीतिक जेड-मोड़ टनल का उद्घाटन किया, जो एक महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना है, जो सोनमर्ग को पूरे साल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है और लद्दाख क्षेत्र तक पहुंच को मजबूत करती है।

श्रीनगर-लेह हाईवे पर हिमस्खलन वाले हिस्सों को बायपास करने के लिए बनाई गई यह टनल नागरिकों की आवाजाही, पर्यटन प्रवाह और इमरजेंसी पहुंच में काफी सुधार करती है, साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा लॉजिस्टिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति के तौर पर भी काम करती है।

पहली बार जम्मू से श्रीनगर तक रेल द्वारा सीधी कनेक्टिविटी : पीएम मोदी हाई-टेक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का उद्घाटन ने किया और इससे पहली बार जम्मू से श्रीनगर तक रेल के जरिए सीधी कनेक्टिविटी संभव हुई है।

दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) : दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर का आखिरी हिस्सा पूरी तरह से वाणिज्यिक कार्यान्वयन के लिए खुल गया है, जिससे दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82.15 किलोमीटर का लिंक पूरा हो गया है। आरआरटीएस मेट्रोपॉलिटन कम्यूटिंग को नया रूप देता है। ये 180 किलोमीटर/ घंटे के कॉरिडोर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए भारत के विजन को दिखाते हैं, जो शहरी मेट्रो और इंटरसिटी रेल के बीच कड़े अंतर से आगे बढ़कर अलग-अलग दूरी के लिए तैयार किए गए तेज आवागमन के स्पेक्ट्रम की ओर बढ़ रहा है।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन : नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण के उद्घाटन के साथ भारत की विमानन क्षमता में एक बड़ी छलांग लगी। इस मील के पत्थर से मुंबई के मौजूदा हवाई अड्डे पर बोझ कम हुआ और यात्री और कार्गो में तेजी की अगली लहर के लिए भारत की तैयारी मजबूत हुई।

नौसैना इंफ्रा के लिए बड़ा साल: 2025 नौसैनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी एक ऐतिहासिक वर्ष था। अगस्त 2025 में, भारत ने 75% से अधिक स्वदेशी सामान के साथ दो स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि को शामिल किया। यह पहली बार है कि दो प्रतिष्ठित भारतीय शिपयार्ड के दो प्रमुख सतह युद्धपोतों को एक ही समय में कमीशन किया जा रहा है।7

बेंगलुरु में येलो लाइन सेवा की शुरुआत : पीएम ने आर. वी. रोड (रागिगुडा) मेट्रो स्टेशन पर येलो लाइन मेट्रो सेवाओं का उद्घाटन किया, जो बेंगलुरु के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट को इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी के टेक हब से जोड़ती है।

बिजली की आखिरी छोर तक पहुंच : मई 2025 में, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के 17 दूरदराज के गांवों में आजादी के बाद पहली बार ग्रिड बिजली पहुंची, जिससे 540 परिवारों को लाभ मिला।

पहली बस की पहुंच: काटेझारी, गढ़चिरौली में गतिशीलता : 2025 में, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सल प्रभावित आदिवासी गांव काटेझारी को आजादी के बाद पहली बार बस परिवहन की सुविधा मिली और गांव वालों ने बस के आने का जश्न मनाया।

जो जुड़े नहीं थे, उन्हें जोड़ा गया: कोंडापल्ली में मोबाइल नेटवर्क पहुंचा : दिसंबर 2025 में, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के कोंडापल्ली गांव में आजादी के बाद पहली बार एक मोबाइल टावर लगाया गया, यह इलाका लंबे समय से बाहरी दुनिया से कटा हुआ था।

अब 160+ हवाई अड्डे : भारत का आसमान पहले से कहीं अधिक व्यस्त हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन बाजार बन गया है। हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2025 में 163 हो गई है। इस बीच, जब भारत 2047 में आजादी के सौ वर्ष मनाएगा, तो सरकार का विजन तब तक एयरपोर्ट की संख्या बढ़ाकर 350-400 करना है।

99% रेलवे का विद्युतीकरण : भारतीय रेलवे अपने लगभग पूरे ब्रॉड-गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को पूरा करने के करीब है, जिसमें 99% से अधिक का विद्युतीकरण पहले ही हो चुका है और बाकी हिस्सों का काम भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। पिछले कुछ वर्ष में काम में बहुत तेजी रही है।

तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क : भारत का मेट्रो नेटवर्क 248 किलोमीटर (2014) से बढ़कर 1,013 किलोमीटर (2025) हो गया है। भारत अब गर्व से दुनिया के तीसरे सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्क के रूप में खड़ा है, जो शहरी परिवहन विस्तार में इसकी तेज प्रगति को दिखाता है।

सड़कें और राजमार्ग : देश में एनएच नेटवर्क की लंबाई मार्च 2019 में 1,32,499 किलोमीटर से बढ़कर अभी 1,46,560 किलोमीटर हो गई। 4-लेन और उससे अधिक वाले एनएच नेटवर्क की लंबाई 2019 में 31,066 किलोमीटर से बढ़कर 43,512 किलोमीटर हो गई है, जो 1.4 गुना अधिक है।

न्यूज ब्रीफ

ईस्ट बंगाल ने गढ़वाल यूनाइटेड को हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की

कल्याणी (पश्चिम बंगाल): ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को यहां गढ़वाल यूनाइटेड एफसी को 2-1 से हराकर इंडियन वुमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) में लगातार दूसरी जीत हासिल की। गत चैंपियन टीम को सुलांजना राउल ने 22वें मिनट में बढ़त दिलाई और इसके बाद फजिला इक्वापुट (63वें मिनट) ने बढ़त को दोगुना कर दिया। गढ़वाल यूनाइटेड की टीम मैच के ज्यादातर हिस्से में अच्छा खेल नहीं दिखा सकी, उसके लिए स्थानापन्न खिलाड़ी मोनिशा सिंघा ने 72वें मिनट में गोल किया।

इंग्लैंड में श्रृंखला ड्रॉ कराने वाली भारतीय टीम सर्वश्रेष्ठ नहीं थी: कुक

मेलबर्न : दिग्गज बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक ने कहा कि इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने वाली शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम मजबूत नहीं थी। गिल की टेस्ट कप्तान के रूप में यह पहली श्रृंखला थी। उन्होंने इस श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया तथा चार शतक की मदद से 754 रन बनाए। कुक ने कहा कि भारतीय टीम के बहुत मजबूत नहीं होने के कारण ही इंग्लैंड यह श्रृंखला बराबर कराने में सफल रहा था। कुक ने यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट मैच के दौरान कहा, ''इंग्लैंड का टीम प्रबंधन भारत के खिलाफ श्रृंखला के प्रदर्शन की बात कर रहा है। उसने भारत के खिलाफ श्रृंखला ड्रा कराई लेकिन वह भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से अपनी घरेलू धरती पर बुरी तरह हार गई। इसलिए इंग्लैंड का दौरा करने वाली भारतीय टीम कोई सर्वश्रेष्ठ भारतीय टीम नहीं थी।'' इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले तीन टेस्ट मैच हारने के बाद एशेज हासिल करने की दौड़ से बाहर हो चुका है।

अंडर-19 विश्व कप में भारत के कप्तान होंगे म्हात्रे, दक्षिण अफ्रीका दौरे में सूर्यवंशी करेंगे नेतृत्व

मुंबई: आयुष म्हात्रे को 15 जनवरी से छह फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। हालांकि कलाई में चोट के कारण म्हात्रे और विहान मल्होत्रा विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम की कमानी करेंगे। इस दौरे पर मैच तीन, पांच और सात जनवरी को बेनोनी में खेले जाएंगे। आरोन जॉर्ज को उपकप्तान बनाया गया है। म्हात्रे और मल्होत्रा अपनी चोटों के उपचार और प्रबंधन के लिए बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिपोर्ट करेंगे जिसके बाद वे भारतीय टीम से जुड़ेंगे। सूर्यवंशी और जॉर्ज को भी अंडर-19 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा, 'आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा को कलाई में चोट लगी है और वे दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर रहेंगे।' बयान में आगे कहा गया, ''दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों के आगे के प्रबंधन के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे और इसके बाद आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के लिए टीम से जुड़ेंगे।' आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के आगामी चरण में 16 टीमें हिस्सा लेंगी जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। इसके बाद सुपर सिक्स चरण, सेमीफाइनल और फाइनल हरारे में खेले जाएंगे। पांच बार की चैंपियन भारत (2000, 2008, 2012, 2018 और 2022) को ग्रुप बी में न्यूजीलैंड, अमेरिका और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 जनवरी को बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में अमेरिका के खिलाफ करेगा। इसके बाद 17 जनवरी को इसी मैदान पर बांग्लादेश से और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड से मुकाबला होगा। टीमें इस प्रकार हैं : दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए: वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आरोन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार। अंडर-19 विश्व कप के लिए: आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन।

क्या दक्षिण अफ्रीका के हाथों सूपड़ा साफ होने के बाद बीसीसीआई ने टेस्ट में गंभीर का विकल्प तलाशा था ?

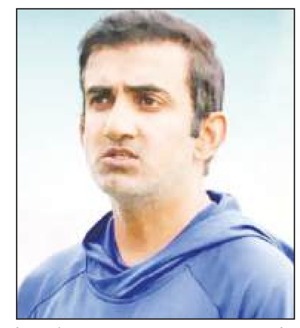

जयपुर: वनडे और टी20 क्रिकेट में भारत के कोच के तौर पर आईसीसी और एसीसी ट्रॉफी जीत चुके गौतम गंभीर का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है लेकिन शीर्ष टीमों के खिलाफ दस टेस्ट में मिली हार के बाद पारंपरिक प्रारूप के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। समझा जाता है कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला हारने के बाद क्रिकेट बोर्ड में शीर्ष पदस्थ किसी शख्स ने अनौपचारिक तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से पूछा था कि क्या वह टेस्ट टीम के कोच बनने के इच्छुक हैं। लक्ष्मण हालांकि बेंगलुरु में उत्कृष्टता केंद्र में क्रिकेट प्रमुख बने रहने में ही खुश हैं। गंभीर का बीसीसीआई के साथ करार 2027 वनडे विश्व कप तक है लेकिन ऐसी संभावना है कि इस पर पुनर्विचार किया जाये। यह पांच सप्ताह बाद शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में भारत के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। समझा जाता है कि बीसीसीआई के गलियारों में इसे लेकर अभी भी दुविधा है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025 . 27 सत्र के बाकी नौ टेस्ट के लिये क्या गंभीर को ही कोच बनाये रखना उचित होगा। भारत को श्रीलंका के खिलाफ अगस्त 026 में दो टेस्ट खेलने हैं जबकि अक्टूबर में न्यूजीलैंड दौरा करना है। इसके बाद आस्ट्रेलियाई टीम जनवरी फरवरी 2027 में पांच टेस्ट की श्रृंखला खेलने आयेगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'बीसीसीआई के हुक्मरानों का गंभीर को पूरा समर्थन हासिल है। भारतीय टीम अगर टी20 विश्व कप बरकरार रखती है या फाइनल में भी पहुंचती है तो वह पद पर बने रहेंगे। यह देखना रोचक होगा कि क्या वह टेस्ट प्रारूप में भी कोच बने रहते हैं।' उन्होंने कहा, ' उन्हें इस बात का फायदा है कि टेस्ट क्रिकेट में कोचिंग के लिये अधिक विकल्प नहीं हैं। वीवीएस लक्ष्मण कोच बनने के इच्छुक नहीं हैं।' भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी गंभीर के दौर में कई खिलाड़ी उस तरह से सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं, जैसे राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में करते थे जब सभी की भूमिकायें तय थी। द्रविड़ के तीन साल के कार्यकाल में खिलाड़ियों को अपनी उपयोगिता साबित करने के लिये भी लंबा समय मिला था। टी20 विश्व कप टीम से शुभमन गिल को बाहर किये जाने के फैसले पर गंभीर की छाप थी और कई खिलाड़ियों का मानना है कि अगर भारतीय क्रिकेट के अगले 'पोस्टर ब्वॉय' का यह हाल हो सकता है तो बाहर होने वालों में अगला नाम किसी का भी हो सकता है।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप : तिलोत्तमा सेन को 50 मी राइफल 3पी में स्वर्ण

भोपाल: बेंगलुरु की युवा निशानेबाज तिलोत्तमा सेन ने शनिवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सत्रह साल की यह निशानेबाज देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी हैं। तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। केरल की विदार्सा के विनोद ने 462.9 अंक से रजत जबकि रेलवे की आयोनिका पॉल ने 451.8 अंक के स्कोर से कांस्य पदक प्राप्त किया। तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन दौर में 591 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि विदार्सा 589 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं तिलोत्तमा की कर्नाटक की साथी अनुष्का ठाकुर 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची। फाइनल में अनुष्का बहुत कम अंतर से पदक से चूक गईं, वह 441.2 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार पांचवें और आशी चौकसे छठे स्थान पर रहीं। जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में सेना की रितुपर्णा देशमुख ने 458.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की निश्चल ने कड़ी चुनौती दी लेकिन सिर्फ 0.5 अंक पीछे रहकर 458.1 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। कर्नाटक की अनुष्का ठोकुर ने 447.6 अंक से कांस्य पदक जीता। सीनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन टीम स्पर्धा में राजस्थान (मानिनी कौशिक, स्वीटी चौधरी और मोनिका जाखड़) ने 1751 अंक के कुल स्कोर से स्वर्ण पदक हासिल किया।

इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट में रचा इतिहास, 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में जीत

मेलबर्न: इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इंग्लैंड की पिछले 15 वर्षों और 18 टेस्ट मैचों में पहली जीत है। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट हारने के बाद इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए दो दिन के भीतर यह मुकाबला अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 152 और दूसरी पारी में 132 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड को 175 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर मैच जीत लिया।तेज गेंदबाजों के लिए मददगार एमसीजी की पिच पर पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड की जीत में गेंदबाजों का अहम योगदान रहा। ब्रायडन कार्स ने दूसरी पारी में 34 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स ने तीन विकेट झटके। जोश टंग और गस एटकिंसन ने भी प्रभावी गेंदबाजी की।लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत आक्रामक रही। जैक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) ने अहम पारियां खेलीं। अंत में हैरी ब्रूक (नाबाद 18) और जेमी स्मिथ (नाबाद 3) ने टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने इसे कठिन दौरे में मिली शानदार जीत बताया। इस जीत से इंग्लैंड का मनोबल बढ़ा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया अब 4 जनवरी से सिडनी में होने वाले अंतिम टेस्ट की तैयारी करेगा।

श्रीलंका पर दबदबा बनाए रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

तिरुवनंतपुरम: श्रृंखला के पहले तीन मैच जीतकर पहले ही खिताब अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भी अपना दबदबा कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने अब तक एकतरफा प्रदर्शन करते हुए श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत के प्रभुत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने तीनों मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की, तीन से ज्यादा विकेट नहीं गंवाए और 129 रन से बड़े लक्ष्य का सामना नहीं किया। इस सफलता में भारतीय गेंदबाजों की अहम भूमिका रही है। दीप्ति शर्मा ने दो मैचों में चार विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सिंह ने पिछले मैच में चार विकेट चटकाकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। टॉस भी भारत के पक्ष में रहा है। हरमनप्रीत ने तीनों बार टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिससे कम ओस में गेंदबाजों को मदद मिली। भारतीय गेंदबाजों ने इसका पूरा लाभ उठाया और अब तक किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज को 40 रन के पार नहीं जाने दिया। बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स शानदार फॉर्म में हैं। हालांकि स्मृति मंधाना अब तक लय में नहीं दिखी हैं और वह बड़ी पारी खेलने को उत्सुक होंगी।

यूपी/बिहार/झारखंड/राजस्थान

अरावली के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है सरकार: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अरावली पर्वतमाला को राज्य की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर बताते हुए शनिवार को फिर दोहराया कि राज्य सरकार इसके संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शर्मा ने वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि अरावली पर्वतमाला राज्य की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है और राज्य सरकार इसके संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट रुख है कि अरावली के स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए अरावली जिलों में वन एवं पर्यावरण, खान तथा पुलिस सहित संबंधित विभागों की ओर से संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने बैठक में कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी और इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। शर्मा ने कहा कि ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे, जिससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित व अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खनन पट्टा जारी करने में उच्चतम न्यायालय और केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) द्वारा समय-समय पर जारी किये गये दिशा-निर्देशों के साथ ही सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया है।

विकास की नई रोशनी में नहाई काशी, घाटों से गलियों तक बदली तस्वीर

- **गंगा घाटों पर पर्यटकों की आवाजाही में रिकॉर्ड बढ़ोतरी**
- **नाविकों, चाय विक्रेताओं और छोटे कारोबारियों को बढ़े रोजगार के अवसर**
- **गंगा आरती और सांस्कृतिक आयोजनों से काशी को नई पहचान**
- **पर्यटकों के अनुसार घाटों पर सुरक्षा और स्वच्छता पहले से बेहतर**

वाराणसी: शिवाला घाट पर शाम उतरते ही गंगा के सीने को चीरती मोटरबोटें, रोशनी से जगमगाते घाट और सांस्कृतिक कार्यक्रम का इंतजार करती सैकड़ों की भीड़-यह दृश्य आज के बनारस की बदली हुई पहचान को बयां करता है। पिछले एक दशक में काशी की फिजा में बड़ा बदलाव आया है। घाट साफ-सुथरे हैं, पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है और स्थानीय लोगों के अनुसार रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। गुलेरिया घाट से भोंसले घाट के बीच नाव चलाने वाले 27 वर्षीय राम लखन मल्लाह कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांसद बनने के बाद शहर में काफी बदलाव आया है। उनके मुताबिक पर्यटकों की संख्या बढ़ने से मल्लाहों को पहले से ज्यादा काम मिल रहा है, हालांकि 12 घंटे मेहनत के बाद भी उनकी मासिक आमदनी करीब 12 हजार रुपये ही है। वह अपनी नाव खरीदने का सपना देखते हैं, लेकिन गरीबी आड़े आती है। वाराणसी में गंगा किनारे 88 घाट हैं, जिनकी कुल लंबाई करीब छह किलोमीटर है। दशाश्वमेध घाट की भव्य गंगा आरती, मणिकर्णिका घाट की जलती चिताएं और अस्सी घाट की सांस्कृतिक गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। मुंबई से आई पर्यटक रिद्धि श्रीवास्तव मानती हैं कि अब घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा पहले से कहीं बेहतर है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जहां करीब 55 लाख पर्यटक काशी आए थे, वहीं 2025 (सितंबर तक) यह संख्या 14.69 करोड़ से अधिक हो चुकी है। हालांकि विकास से सभी खुश नहीं हैं। दालमंडी जैसे पुराने इलाकों में सड़क चौड़ीकरण के लिए हुए ध्वस्तीकरण से कुछ लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ा है। इसके बावजूद चौड़ी सड़कों, बेहतर पुलिस व्यवस्था, साफ घाटों और बढ़ते सांस्कृतिक आयोजनों ने बनारस को एक नई पहचान दी है-जहां परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ बहती नजर आती हैं।

लखनऊ में 'पुलिस मंथन 2025' की शुरुआत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया गया 'गार्ड ऑफ ऑनर'

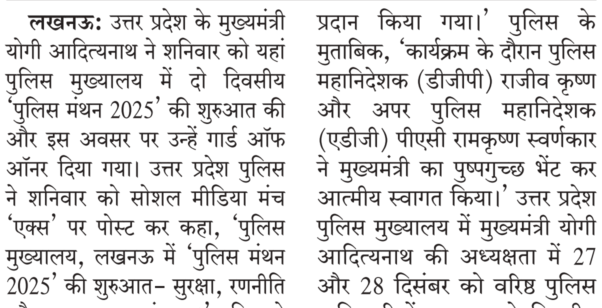

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां पुलिस मुख्यालय में दो दिवसीय 'पुलिस मंथन 2025' की शुरुआत की और इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में 'पुलिस मंथन 2025' की शुरुआत- सुरक्षा, रणनीति और सुशासन का संकल्प।' पुलिस ने एक अन्य पोस्ट में बताया, ''पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित 'पुलिस मंथन 2025' के अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुभ आगमन पर उन्हें परंपरागत गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।' पुलिस के मुताबिक, 'कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीएसी रामकृष्ण स्वर्णकार ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।' उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 27 और 28 दिसंबर को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का यह दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया है जिसमें साइबर अपराध, मानव तस्करी, सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दों सहित कानून-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी।

नीतीश कुमार ने दो संग्रहालयों को जोड़ने वाली सुरंग का निरीक्षण किया

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'बिहार संग्रहालय' और 'पटना संग्रहालय' को जोड़ने वाली निर्माणाधीन सुरंग के कार्य का शनिवार को निरीक्षण किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पटना संग्रहालय एक सदी से भी अधिक पुरानी इमारत है, जबकि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बिहार संग्रहालय वर्ष 2015 में खोला गया था। बिहार संग्रहालय को इसलिए स्थापित किया गया था ताकि पटना संग्रहालय की क्षमता से अधिक संग्रहों को यहां रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सुरंग परियोजना को समय पर पूरा करने और निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा हो और नेहरू पथ पर यातायात की आवाजाही में किसी प्रकार की असुविधा न हो। कुमार ने कहा कि इस सुरंग के बन जाने से पर्यटक बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय के बीच आसानी से आ-जा सकेंगे और प्रदर्शनियों को निर्बाध रूप से देख सकेंगे। उन्होंने कहा, सुरंग के पूरा होने के बाद दोनों संग्रहालयों में पर्यटकों की आवाजाही सुविधाजनक हो जाएगी, जिससे पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर अनुष्ठान शुरू

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर पूजा अनुष्ठान शनिवार को शुरू हो गए। प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ का मुख्य कार्यक्रम 31 दिसंबर को होगा, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे। ये अनुष्ठान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ के नेतृत्व में बेंगलुरु विद्यापीठ से आए 15 वैदिक विद्वानों की उपस्थिति में किए जा रहे हैं। शनिवार को एक कवच की स्थापना की गई और हवन किया गया। साथ ही भगवान की पालकी यात्रा भी इस परिसर में निकाली गई। स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ ने बताया कि अनुष्ठान के तहत तत्व हवन, एक तत्व कलश की पूजा, गणपति की पूजा और अन्य हवन किए गए। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी (31 दिसंबर) को राम लला का पंच रस से अभिषेक किया जाएगा, 56 भोग लगाया जाएगा और भजन एवं आरती की जाएगी। स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ ने बताया कि एक ढोल उत्सव भी होगा और रत्न जड़ित प्रतिमा स्थापित करने के लिए बैठकें की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछली बार जो धार्मिक अनुष्ठान किए गए थे, वे सभी इस बार भी किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में 22 जनवरी, 2024 को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

न्यूज अपडेट

झारखंड का सर्वश्रेष्ठ थाना बना चौका, राष्ट्रीय रैंकिंग में मिला चौथा स्थान

सरायकेला (झारखंड): झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के चौका थाने को प्रदर्शन के आधार पर की गई रैंकिंग के अनुसार झारखंड में सर्वश्रेष्ठ और देश में चौथा स्थान दिया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय प्रतिवर्ष देश भर के थानों का सर्वेक्षण करता है और उनके प्रदर्शन के आधार पर थानों की रैंकिंग पर रिपोर्ट जारी करता है। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि थानों का मूल्यांकन विभिन्न मापदंडों पर किया जाता है और उसी के अनुसार उन्हें रैंक दी जाती है। एसपी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी थानों की रैंकिंग 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार चौका थाना राज्य में पहले और देश में चौथे स्थान पर है। पुलिस थानों की रैंकिंग रिपोर्ट प्रतिवर्ष डीजीपी के सम्मेलन के दौरान जारी की जाती है और देश के शीर्ष दस पुलिस थानों का चयन करके उन्हें रैंकिंग दी जाती है। एसपी ने कहा कि स्वतंत्र एजेंसियां 'क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम' (सीसीटीएनएस) के डेटाबेस, अपराधों के आंकड़े, महिलाओं के खिलाफ अपराध, कमजोर वर्ग के खिलाफ अत्याचार, पुलिस थाने के बुनियादी ढांचे, नागरिकों की प्रतिक्रिया, स्वच्छता, आईटी संसाधन, फोरेंसिक, पुलिस संचार और डिजिटल रिकॉर्ड, सक्रिय पहल और आम आदमी के साथ पुलिसकर्मियों के आचरण सहित विभिन्न पहलुओं पर जमीनी निरीक्षण करती हैं।

यूपी : अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, चार लोगों की मौत

सहारनपुर: उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में शनिवार शाम तेज रफ्तार एक कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई, जिससे वाहन में सवार दो भाइयों समेत चार युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने बताया कि बेहट थानाक्षेत्र के मां शाकंभरी रोड पर यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मनीष (26), विजय (28), जगदीश (27) और सोनू (29) के रूप में हुई। अधिकारी ने बताया कि मनीष और विजय सगे भाई थे। बिंदल ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि चारों युवकों के शव कार में बुरी तरह से फंस गए थे, जिन्हें कटर की मदद से बाहर निकाला गया।

राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे को लेकर झारखंड में सुरक्षा बढ़ायी गयी

रांची/जमशेदपुर (झारखंड): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी दौरे के लिए झारखंड में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और यातायात पर पाबंदियां लगायी गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू सोमवार को रांची के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरेंगी और उसके बाद एक हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर रवाना होंगी। पूर्वी सिंहभूम जिले के औद्योगिक शहर में वह संताली भाषा की ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह में शामिल होंगी। वह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह को भी संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति 29 दिसंबर को रांची लौटेंगी और लोकभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। झारखंड छोड़ने से पहले वह 30 दिसंबर को एक कार्यक्रम को संबोधित करने गुमला जाएंगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ड्रोन, पैराग्लाइडर और गर्म हवा के गुब्बारे के लिए बिरसा मुंडा हवाई अड्डे से लोक भवन तक 200 मीटर के दायरे का 'नो-फ्लाई जोन' निर्धारित किया गया है, जिसमें हिनू चौक, बिरसा चौक और अरगोड़ा चौक आएंगे। यह निषेधाज्ञा 28 दिसंबर सुबह 6 बजे से 30 दिसंबर रात 10 बजे तक लागू रहेगी।

वर्ष 10, पूर्णांक 3456 अंक 266, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in